कार्तिक कृष्ण पक्ष 3 , 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08 , अंक - 117 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

20 अक्टूबर 2024 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

31 अधिकतम

22 न्यूनतम

Page- 7

450 करोड़ रूपए की लागत, 102 हेक्टेयर में तेजी से हुआ निर्माण

रन-वे पर रीवा

- नए एयरपोर्ट का लोकार्पण, रीवा में वर्चुअल मोदी
- मध्यप्रदेश का छठवां व विंध्य का पहला एयरपोर्ट पर्यटन व औद्योगिक निवेश के लिए अहम

भोपाल दोपहर मेट्रो।

मप्र के हवाई नक्शे पर आज विंध्य के रीवा का नाम भी दर्ज हो गया। पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअल इसका लोकार्पण कर रहे है। इस मौके पर रीवा में मुख्यमंत्री मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला आदि मौजूद है। खास बात यह है कि जल्द यहां होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कानक्लेव के पहले इस एयरपोर्ट की शुरूआत की गई है। ऐसे एयरपोर्ट की जरुरत निवेशकों के लिये भी थी। लिहाजा यह एयरपोर्ट कई मायनों में अहम होगा, जो केवल मप्र की एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने तक सीमित नहीं होगा। बल्कि पर्यटन और औद्योगिक निवेश को भी गति देगा। मप्र में पहले से एयरपोर्ट की संख्या कम है। यह प्रदेश का छठवां और विंध्य क्षेत्र का पहला एयरपोर्ट है। बताया जाता है कि रीवा एयरपोर्ट की योजना अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह एयर कनेक्टिविटी औद्योगिक क्षेत्र और पर्यटन को बढ़ावा देने में इसलिए मददगार होगी क्योंकि विंध्य में सिंगरौली का पावर प्लांट, विंध्य की 29 बड़ी इकाइयां, मुकुंदपुर व्हाइट सफारी, बंधावगढ़ नेशनल पार्क, संजय नेशनल पार्क, एशिया का सबसे बड़ा सोलर पावर प्लांट, खूबसूरत जलप्रपात, भगवान श्रीराम की तपोवन भूमि चित्रकूट, मैहर की शारदा मां और सीमेंट के बड़े उद्योग भी हैं।

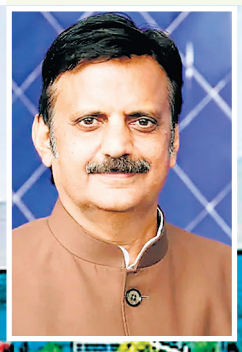

800 मीटर लंबा रनवे

रीवा एयरपोर्ट 450 करोड़ कि लागत से 102 हेक्टेयर भूमि पर बनकर तैयार है। जिसमें 30 मीटर चौड़ा और 800 मीटर लंबो रन-वे है। जिसके दोनों ओर 3.5 मीटर के दो शेल्टर रन-वे बनाए है। यहां से कार्गो विमान भी उड़ान भर सकेंगे। सबसे पहले भोपाल के लिए 72 सीटर विमान सेवा शुरू होंगी। फिर राज्य के अंदर व बाहर सेवा का विस्तार किया जाएगा। इतना ही नहीं, प्रयोग के तौर पर जनरेटिव एआई सुविधा भी होगी जो कि प्रदेश के किसी एयरपोर्ट पर उपलब्ध पहली सुविधा होगी। इसके अलावा स्क्रीनिंग उपकरण और प्रशिक्षित कर्मियों से लैस सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया है। सहायता के लिए आधुनिक सूचना डेस्क और टर्मिनल में बैठने की उत्तम व्यवस्था दी है। अभी भोपाल, जबलपुर, खजराहो, इंदौर और ग्वालियर एयरपोर्ट है।

सैनिकों का शौर्य देख अभिभूत हुए सीएम यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज रीवा रवाना होने से पहले भोपाल में थ्री ईएमई में भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान कार्यक्रम और रैली में सम्मिलित हुए। इस दौरान रेजीमेंट इंजीनियर के जवानों ने सिख संप्रदाय की युद्ध शैलियों का प्रदर्शन किया। जवानों के शौर्य और ऊर्जा से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री मंच से उतरे और जवानों से मिले। उनका उत्साहवर्धन किया और जवानों के साथ ग्रुप फोटो ली।

प्रियंका ने की पीएम मोदी की तारीफ, महाराष्ट्र में हलचल

मुंबई , एजेंसी।

महाराष्ट्र चुनाव से ठीक पहले शिवसेना उध्दव गुट की नेता व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करके राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी घोल दी है। कांग्रेस से शिवसेना में आई प्रियंका के पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को उनका जवाब शायद अच्छा नहीं लगेगा, जो प्रियंका ने एक पाडकास्ट चैनल से चर्चा में दिया। इस इंटरव्यू में प्रियंका चतुर्वेदी से पूछा गया कि आज के दौर में ग्रेट पॉलिटिशियन कौन है? इसके जवाब में प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें महान राजनेता बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी लोगों से जुड़ने में माहिर हैं, खासकर युवाओं और महिलाओं से। प्रियंका चतुर्वेदी ने माना कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने एक बड़े वोट बैंक को प्रभावित किया है।

धौलपुर में भीषण सड़क हादसे में परिवार के 12 सदस्यों की मौत

धोलपुर, एजेंसी।

राजस्थान के धौलपुर जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो सवार 12 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक भात कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में जान गंवाने वालों में आठ बच्चों और तीन महिलाओं समेत 12 लोग शामिल हैं। दो लोग गंभीर रूप से घायल भी बताएं जा रहे हैं, जानकारी के अनुसार बाड़ी शहर के करीम गुमट में रहने वाले नहून और जहीर परिवार के करीब 14 लोग बरौली गांव में एक रिश्तेदार के यहां भात समारोह में शामिल होने गए थे।

धमाके से ढहे मकान में 18 घंटे खोज के बाद मिले मां बेटी के शव

मुरैना। गत दिवस इस्लामपुरा में पटाखों के गोदाम में हुए विस्फोट से ढहे मकानों में चल रहे 18 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मां बेटी के शव को निकाल लिया गया है। दोनों के शव बाइक के पास मिले हैं। जिससे लग रहा है कि बाइक की ओट लेकर मां बेटी ने बचने का प्रयास किया होगा। हालांकि शनिवार रात तक के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद जब मलबे में कुछ नहीं मिला था तो आशंका जताई जा रही थी कि मां बेटी कहीं छिप गई होंगी।

एनआईए व आईबी से रिपोर्ट तलब

विमानों में बम की धमकियां डीजीसीए चीफ को हटाया

नई दिल्ली , एजेंसी।

बीते कई दिनों से यात्री विमानों को बम से उड़ाने की मिल रही धमकी के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। बीते दिन ही तीस विमानों को ऐसी धमकी मिलीं। इसके चलते विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फिर पूरी जांच पड़ताल के बाद विमानों को रवाना किया गया। इसके चलते सैकड़ों यात्री घंटों परेशान रहे। वहीं गृह मंत्रालय ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से डिटेल रिपोर्ट मांगी है। सीआईएसएफ और एनआईए व आईबी को भी रिपोर्ट देने को कहा गया है। देर रात केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने डीजीसीए प्रमुख विक्रमदेव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया, उधर विमान कंपनियों के बड़े अधिकारियों ने ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी अफसरों से मुलाकात की है। ब्यूरो के डायरेक्टर जनरल जुल्फिकार हसन ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारतीय आकाश पूरी तरह सुरक्षित है।

ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में इजरायल

नई दिल्ली , एजेंसी।

अमेरिका के दो बेहद खुफिया दस्तावेज लीक होने से हड़कंप मचा हुआ है। इन लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ईरान पर इस्राइली हमले के लिए सैन्य तैयारियों का जिक्र किया गया है। लीक दस्तावेज अमेरिका की नेशनल जियोस्पेशियल इंटेलीजेंस एजेंसी के हैं। ये एजेंसी अमेरिका के जासूसी उपग्रहों द्वारा ली जाने वाली तस्वीरों और सूचनाओं का विश्लेषण करती है। लीक दस्तावेजों में इस्राइली सेना के अभ्यासों और परिचालन के बारे में जानकारी है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 15 और 16 अक्टूबर की तारीख वाले दो दस्तावेजों को टेलीग्राम पर ईरान समर्थक यूजर्स द्वारा प्रसारित किया गया था। लीक दस्तावाजे में इस्राइली सेना के सैन्य अभ्यास का विश्लेषण है, जो ईरान पर जवाबी हमले की तैयारी जैसा लग रहा है।

दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाका

नई दिल्ली , एजेंसी।

राजधानी के रोहिणी में आज सुबह प्शांत विहार इलाके में धमाके की आवाज से दहशत फैल गई । धमाके की आवाज सीआरपीएफ स्कूल की दीवार से सुनाई दी। धमाके के बाद धुएं का गुबार भी दिखाई दिया। डीसीपी रोहिणी अमित गोयल ने बताया कि एक्सपर्ट को बुलाया गया है। धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्रोत क्या है। घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड विभाग को सुबह करीब 7:50 बजे दी गई, जिसके बाद तुरंत दो दमकल गाड़ियां भेजी गईं। हालांकि, अभी तक दीवार में आग लगने या क्षति की कोई जानकारी नहीं मिली है। टीम लगातार इलाके में सर्चिंग कर रही हैं।

मेट्रो एंकर 107 रन का टारगेट 2 विकेट खोकर हासिल किया न्यूजीलैंड ने

36 साल बाद घर में हारी टीम इंडिया

बेंगलुरू , एजेंसी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आज न्यूजीलेंड के नाम हो गया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से जीत हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने खेल के पांचवें दिन यानि आज लंच से पहले ही हासिल कर लिया।भारतीय टीम ने बेंगलुरु में ऐतिहासिक कमबैक की कोशिश तो भरपूर की, लेकिन न्यूजीलैंड को मैच जीतने से रोक नहीं पाई। हालांकि 107 रन के लक्ष्य का पीछा करने में कीवी टीम को काफी परेशानी हुई। शुरुआती सत्र में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने अपनी स्विंग से कीवी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। हालांकि, बल्ले का किनारा लगकर चौके आते रहे और किस्मत ने भी भारतीय गेंदबाजों का साथ नहीं दिया। हालांकि यह पहला मैच मैच हमेशा-हमेशा के लिए यादगार हो गया। पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर ऑल आउट होने के बाद बावजूद भारत ने पहले तो 356 रन की रिकॉर्ड लीड पाटी और फिर 462 रन बनाकर न्यूजीलैंड के सामने 107 रन का लक्ष्य रखा।

इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। दोनों देशों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा। खास बात यह है कि न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारतीय धरती पर टेस्ट जीत हासिल की। इससे पहले उसने नवंबर 1988 में वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत को 136 रनों से पराजित किया। कुल मिलाकर भारतीय धरती पर न्यूजीलैंड की ये तीसरी टेस्ट जीत रही।

आज करवाचौथ है.. राजधानी के बाजारों में कल देर रात तक खरीदारी व हाथों में मेहंदी रचवाने का दौर चला। आज सुबह भी बाजारों में भीड़ रही। महिलाओं ने पूजन सामग्री व श्रृगार सामग्री की जमकर खरीद की।

निजी स्कूलों ने राज्य शिक्षा केन्द्र से की मांग

ढाई सौ करोड़ बकाया: एडमिशन कराया, लेकिन नहीं दी फीस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में सरकार ने गरीब बच्चों का दाखिला कराया। लेकिन अधिकांश की फीस अब तक जमा नहीं हुई। निजी स्कूलों ने इसकी मांग की है। उनके मुताबिक दो साल की करीब ढाई सौ करोड़ रुपए का भुगतान नहीं हुआ। ऐसे में अब अगले सेशन में 25 फीसदी बच्चों को एडमिशन देने में परेशानी होगी।

प्रदेश के निजी स्कूलों की 25 फीसदी सीटें गरीब वर्ग के लिए आरक्षित हैं। अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत इनकी फीस सरकार जमा करती है।

बच्चों के लिए ये निशुल्क हैं। बीते सत्र में प्रदेश में करीब एक लाख बच्चों का दाखिला हुआ। निजी स्कूल संचालक एसोसिएशन के मुताबिक इनमें से 60 फीसदी बच्चों की फीस स्कूलों को अब तक नहीं मिली। यह राशि करीब ढाई सौ करोड़ रुपए है। राज्य शिक्षा केन्द्र निदेशक हरजिंदर सिंह से स्कूल संचालकों ने इसकी मांग रखी। मामले में माह के अंत तक फीस भुगतान की बात कही गई। आरटीई के तहत जिन बच्चों का एडमिशन हुआ उनकी फीस का भुगतान शासन कर रहा है।

राजधानी में करीब 10 हजार सीटें

राजधानी में करीब दस हजार सीटें हैं जिन पर 25 फीसदी आरक्षण के तहत बच्चों को दाखिला मिला। इस योजना का आठवां साल हैं। ऐसे में नि:शुल्क शिक्षा पाकर बच्चे अब दूसरे स्कूलों में पहुंचेंगे। स्कूल संचालकों ने इनके अगले एडमिशन को लेकर बात रखी है। उनका कहना है कि निःशुल्क शिक्षा कक्षा आठवीं तक है। इसके बाद इनका क्या होगा। सरकार निर्देशित करें।

कई बच्चों को मिल चुकी है नोटिस

राजधानी में आरटीई के तहत दाखिला पाने वाले कई बच्चों को निकालने के लिए स्कूल नोटिस जारी कर चुके हैं। इसके लेकर प्रशासन और डीपीआई को शिकायत की गई थी। जिला परियोजना समन्वयक ओपी शर्मा के मुताबिक किसी भी स्थिति में बच्चों को स्कूल निकाल नहीं सकते हैं। मामले में राज्य शिक्षा केन्द्र से मार्ग दर्शन मांगा है।

अनाधिकृत विद्यार्थियों को छात्रावास से बाहर करने बीयू ने बनाई समिति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने अनाधिकृत विद्यार्थियों को छात्रावास से बाहर करने के लिए समिति का गठन किया है। अब ऐसे विद्यार्थी जो पासआउट होने के बाद भी अपने कमरों को नहीं छोड़ रहे हैं उनसे कमरे खाली कराने की कार्रवाई समिति करेगी। यह समिति छात्रावास के एक-एक कमरे में जाकर विद्यार्थियों का परीक्षण करेगी। जहां अनाधिकृत तौर पर रह रहे विद्यार्थियों से कमरों को खाली कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विवि पुलिस की भी मदद ली जाएगी। हालांकि विवि ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों को फीस भरने के लिए 21 अक्टूबर तक का समय दिया है। अगर इसके बाद भी जो विद्यार्थी फीस जमा नहीं करेंगे, उन्हें अनाधिकृत माना जाएगा। समिति का अध्यक्ष चीफ वार्डन हेमंत खंडई को बनाया गया है। उनके साथ सात सदस्यों में डॉ. अच्छेलाल, डॉ. सुनील स्नेही, डॉ. सीएस गर्ग, प्राक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्य, अनुशासन समिति के सभी सदस्य, सुरक्षा प्रभारी कपिल सोनी और सुरक्षा अधिकारी डॉ. राघवेंद्र शर्मा को शामिल किया गया है।

यह है पूरा मामला

दरअसल, बीयू के छात्रावास में पासआउट हो चुके विद्यार्थी अपने कमरों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे नव प्रवेशित विद्यार्थियों को छात्रावास में रहने के लिए कमरे आवंटित नहीं हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बीयू के जवाहर और मुंशी प्रेमचंद छात्रावास में पासआउट विद्यार्थी कमरे छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। वर्तमान सत्र में उन्हें किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिल सका है।

सीएम ने की समीक्षा, विभागों को इंटीग्रेटेड रोजगार स्टेट पोर्टल बनाने के निर्देश

युवाओं को रोजगार देने और स्वरोजगार से जोड़ने की मेगा योजना पर सीएम ने 11 विभागों से एक साथ की समीक्षा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रिकार्ड कुछ भी कहता हो लेकिन घर–घर में बेरोजगार है, इस बात से कोई झूठला नहीं सकता। यह प्रदेश के हर परिवार की समस्या बन गया है। सरकार को भी इस बात का अहसास है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस खाई को पाटने के लिए शनिवार सीएस अनुराग जैन के साथ 11 विभागों को एक साथ बुलाया। इन विभागों के एसीएस, पीएस से पूछा कि उनके पास युवाओं को रोजगार देने और स्वरोजगार से जोड़ने की क्या योजनाएं हैं।

वे क्या काम कर रहे हैं। अगले चार वर्षों में कितने युवाओं को रोजगार मिलेगा और कितनों को स्वरोजगार से जोड़ जाएंगे। इस पर सभी एसीएस व पीएस ने अपनी–अपनी योजना बताई। इस समीक्षा में पंचायत, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नगरीय विकास एवं आवास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, श्रम विभाग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, पशुपालन एवं डेयरी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार जैसे 11 विभागों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

समग्र पोर्टल बनेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चार वर्षों में हर क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देना है और स्वरोजगार से जोड़ना है, इस अनुरूप सभी तैयारियां कर लें। एक इन्टीग्रेटेड रोजगार स्टेट पोर्टल तैयार बनाएं, जिसमें सभी विभागों की जानकारी विकल्पों के साथ हो। युवाओं को अलग-अलग मंचों और विभागों में भटकने की नौबत ही न आए। यह भी कहा कि इन्टीग्रेटेड रोजगार स्टेट पोर्टल पर रोजगार की संख्या, आवेदन की प्रक्रिया, योजनाओं की जानकारी, योग्यता, प्रशिक्षण, उद्योग में उपलब्ध रोजगार की संख्या, इंडस्ट्री के लॉग इन सहित रोजगार से संबंधित सभी पक्षों की जानकारी प्रदर्शित करें।

देश के लिए छोटी उम्र में प्रेम ने दी प्राणों की आहुति : पारवानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी एवं संस्कार स्कूल में शहीद प्रेम रामचंदानी की जयंती पर कार्यक्रम के आयोजन किए गए। रामचंदानी के शौर्य और जज्बे को रेखांकित किया गया। दोनों ही कार्यक्रमों में कर्नल नारायण पारवानी ने बच्चों को शहीद के जीवन से परिचित कराया। शहीदों का सदैव रखें

साधु वासवानी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कर्नल पारवानी ने बताया कि प्रेम रामचंदानी ने कहा था मुझे रील हीरो नहीं वरन रियल हीरो बनना है। वहीं शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि वही कौम जिंदा रहती है जो शहीदों का सम्मान करती है। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि हमे हमेशा प्रेम रामचंदानी जैसे महान सिंधी सपूत पर सदैव गर्व रहेगा हम उनके पदचिन्हों पर चलकर अपना जीवन सफल बनाए। विद्यालय की छात्रा निशा ने शहीद प्रेम रामचंदानी के जीवन पर विचार रखे। इस अवसर शाला परिवार ने शहीद की शहादत को सैल्यूट किया।

शहीदों की शहादत प्रेरणादायी

संस्कार पब्लिक स्कूल में भी शहीद प्रेम रामचन्दानी को याद किया गया। कर्नल नारायण पारवानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाज सेवी दिलीप लालवानी ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। चेलानी ने कहा कि प्रेम रामचंदानी ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने छोटी सी उम्र में अपने प्राणों को देश पर बलिदान कर दिया, ऐसे महापुरूषों को याद करने का मुख्य उद्देश्य है कि हम भी इनके जीवन से प्रेरित होकर आगे बढ़े। पारवानी ने प्रेम रामचन्दानी के संघर्षपूर्ण जीवन को बच्चों के सामने रखा। विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने भी दो मिनट को मौन रखकर शहीद प्रेम रामचन्दानी को पुष्पाजांलि दी।

पूज्य सिंधी पंचायत सचिव मीरचंदानी का इस्तीफा

हिरदाराम नगर। सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत में पद के लिए पंचायत जारी है। सचिव मोहन मीरचंदानी ने इस्तीफा दे दिया है। अध्यक्ष और महासचिव माधु चांदवानी के रवैये को तानाशाही भरा बताया है। उनकी नाराजगी महासचिव न बनाए जाने को लेकर है। मीरचंदानी ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि सिंधी पंचायत ये तीन दशक से सेवा करता आ रहा हूं। परंतु, मुझे महासचिव न बनाकर माधु चांदवानी अपने चेहते को महासचिव बनाए जाने की कोशिश में लगे हुए हैं। सचिव होने के नाते माधु चांदवानी के अध्यक्ष बनने के बाद खाली हुए महासचिव पद पर मेरा हक बनता है। लेकिन माधु चांदवानी के रवैये से दुखी होकर अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

युवा उत्सव में क्षमताओं एवं प्रतिभा का प्रदर्शन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन युवा उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ .डालिमा पारवानी ने कहा कि युवा उत्सव समस्त विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करता है जहां विद्यार्थी अपनी क्षमताओं और प्रतिभाओं को प्रस्तुत कर सकें। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे देश के भविष्य के निर्माताओं को प्रेरित करने और उनके व्यक्तित्व को एक नया आयाम देने का प्रयास है। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी संरचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त किया। नृत्य एवं गायन में छात्राओं ने

संत कॉलेज में दो दिवसीय कार्यक्रम हुआ

सांस्कृतिक धरोहर को आत्मसात करते हुए प्रस्तुतीकरण दिया। वहीं छात्राओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता में अपने विचारों और तर्कशक्ति के माध्यम से सभी को प्रभावित किया। कोलाज, पोस्टर एवं कार्टूनिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने रचनात्मक विचारो को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं की कड़ी में वाद विवाद, वृक्तत्व कला ,कोलाज तथा पोस्टर मेकिंग, कार्टूनिंग, क्विज, एकल एवं पारंपरिक नृत्य, क्ले मॉडलिंग, स्पॉट पेंटिंग, रंगोली, एकल और समूह गायन, स्किट एवं माइम सम्मिलित थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

18 नवंबर तकपीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (सभी वर्ग) के शोधार्थियों को पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। इसके अनुसार सत्र 2024-25 के लिए अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य-पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थी, पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर 2024 तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। उक्त शोधार्थियों को अपना आवेदन पत्र, संस्था-शोध केन्द्र से अग्रेषित कराकर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, तृतीय तल सतपुडा भवन, भोपाल में 18 नवंबर तक जमा करना होगा।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने एमआईसी सदस्य को दिलाया भरोसा

वन ट्री हिल्स लीज नवीनीकरण का मामला सुलझेगा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

वन ट्री हिल्स संतनगर की लीज नवीनीकरण की समस्या को लेकर एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने कलेक्टर विक्रम कौशलेंद्र से मुलाकात की। पूरे मामले से कलेक्टर को अवगत कराया। हिंगोरानी ने बताया कि कलेक्टर ने एसडीएम से पूरी जानकारी मांगी है और आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द सोसाइटी गठित करवाकर एवं समस्या का निराकरण कराया जाएगा।

बता दे संतनगर (बैरागढ़) में विस्थापितों के पट्टे से संबधित प्रकरणों का हल अभी तक नहीं निकल सका है। जिला प्रशासन नए आदेश के अनुरूप आवेदन लिए थे, लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू के कारण मामला अटक गया था। वन ट्री हिल्स क्षेत्र के करीब 500 परिवारों को आवंटित भूखंडों की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। यह भूखंड गृह निर्माण समितियों के माध्यम से आवंटित किए गए थे। जिला प्रशासन ने सोसायटियों पर बकाया रकम जमा करने की शर्त पर लीज नवीनीकरण करने के आदेश दिए थे। सिंधु समाज एवं नवयुवक गृह निर्माण संस्था ने बकाया राशि जमा कर दी। नागरिकों ने सुविधा केंद्र में नवीनीकरण के आवेदन भी दिए, लेकिन एक भी रहवासी के आवेदन का निराकरण नहीं हुआ।

क्षेत्र के इन परिवारों को आवंटित भूखंडों की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। अब उन्हें बैंक से लोन भी नहीं मिल पा रहा है। करीब एक साल पहले प्रशासन ने धारणा अधिकार आदेश के तहत शिविर लगाकर लोगों से आवेदन लिए लेकिन अधिकांश मामलो में न तो सर्वे हुआ न पट्टे मिले।

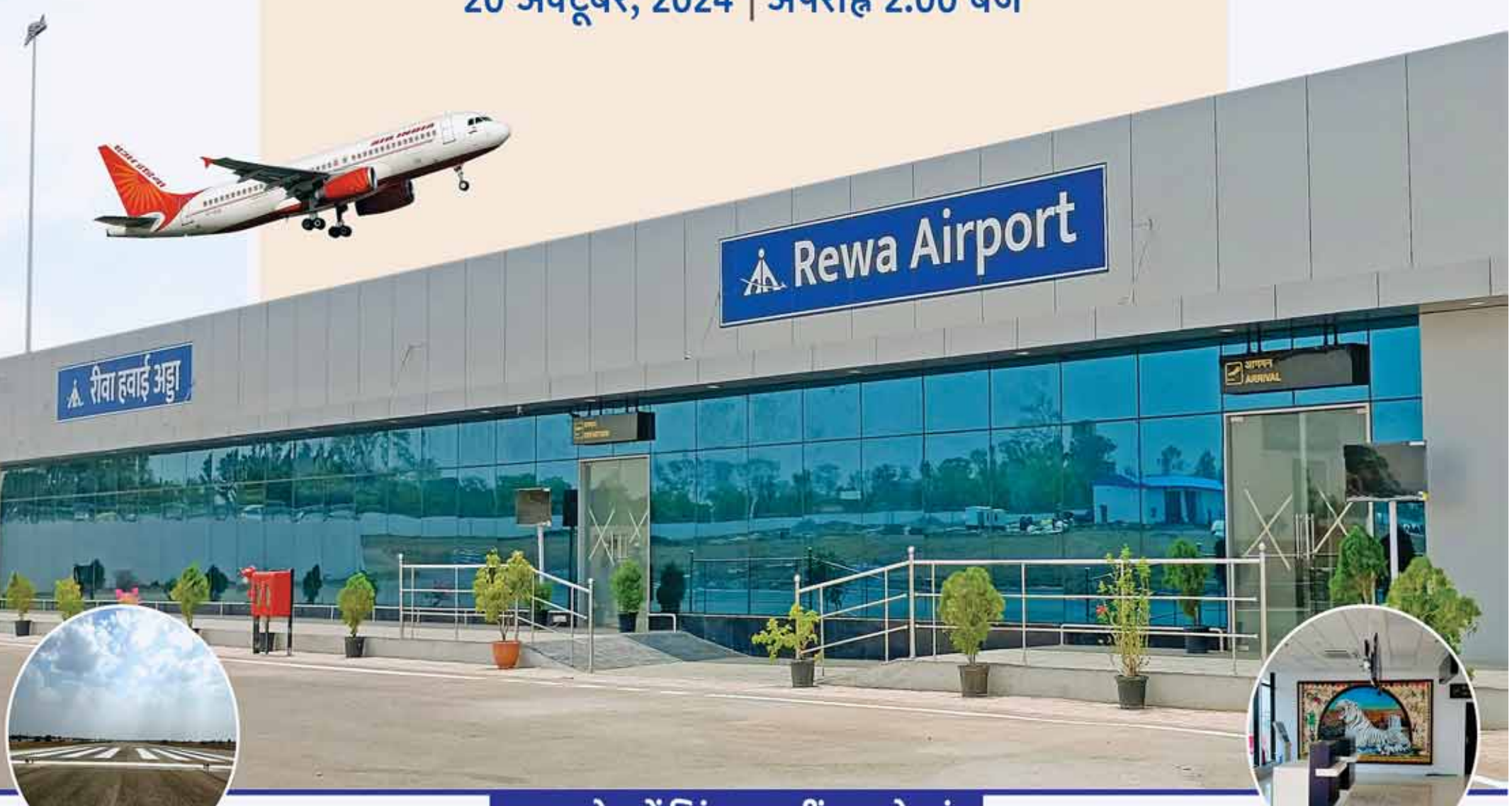

हवाई सेवाओं का विस्तार
मध्यप्रदेश विकास की नई उड़ान को तैयार
₹450 करोड़ लागत के
रीवा एयरपोर्ट
का
लोकार्पण
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
20 अक्टूबर, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे
Rewa Airport
रीवा हवाई अड्डा
मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़तीं वायु सेवाएं
6 विमानतल
25 हवाई पट्टियां
हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण
पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा
पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा
पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा
D-11087/24
सीधा प्रसारण
https://pmindiawebcast.nic.in
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
#RewaTakesFlight
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 epaper.dopaharmetro.com

समाज के लिए खतरा बनता अपराधियों का महिमामंडन

■ दिलीप कुमार पाठक

किसी हिन्दी फ़िल्म की तरह महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कई बार के विधायक अभिनेता सलमान खान के क़रीबी नेता बाबा सिद्दीकी की निर्मम हत्या कर दी गई. किसी पूर्व मंत्री की हत्या हो जाना, कानून व्यवस्था की पोल तो खोल ही रहा है साथ ही तमाम तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। वहीँ सोशल मीडिया से लेकर मेन स्ट्रीम मीडिया में बाबा सिद्दीकी की हत्या करने की जिम्मेदारी लेने वाले वाले गैंग एवं लॉरेंस बिश्नोई का महिमामंडन भी चल रहा है, जो बेहद ख़तरनाक है। किसी भी समाज एवं समुदाय के लिए हिंसा खतरनाक है, वहीँ इस तरह से अपराधियों का महिमामंडन करना हमारे समाज के युवाओं को भ्रमित कर सकता है। युवावस्था यूँ भी बहुत पेचीदगियों से भरी होती है। इस उम्र में हिंसा युवाओं को आकर्षित करती है। अतः मीडिया एवं हमारे समाज का उत्तरदायित्व हो जाता है कि समाज को एक शांति की राह पर ले जाया जाए। मेनस्ट्रीम

मीडिया को विश्नोई समाज से सीखना चाहिए, जब पूरी मीडिया लॉरेंस बिश्नोई को हीरो बनाने पर तुली हुई है, तब विश्नोई समाज़ के अध्यक्ष ने अपने समाज की तरफ़ से बात रखी साथ ही लॉरेंस बिश्नोई को हीरो बनाने वाली सोच की निंदा भी की।।

विश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष 'देवेंद्र बिश्नोई' का कहना है -

विश्नोई समाज किसी भी अपराध का समर्थन नहीं करता है। अगर लॉरेंस बिश्नोई ने बाबा सिद्दीकी की मौत की जिम्मेदारी ली है तो वो गलत है। हमारे समाज का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमारा समाज पेड़ों के लिए क़ुर्बानी दे सकता है, तो इंसान की हत्या का समर्थन कैसे करेगा ? हमारे समाज का इससे कोई ताल्लुक नहीं है। हर समाज में ऐसे अपराधी होते हैं और सलमान खान के साथ-साथ लॉरेंस बिश्नोई भी अपराधी है। काले हिरण शिकार मामले में सलमान खान का माफी मांगना और नहीं मांगना यह उनका विषय है और वो मामला कोर्ट में है अतः उसका फैसला कोर्ट करेगा लेकिन हत्या के समर्थन में हम नहीं है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के छह दिन बाद सलमान खान को पुनः जान से मारने की धमकी मिली है, मुंबई ट्रैफिक पुलिस को सलमान खान के नाम का धमकी भरा मैसेज मिला है। मैसेज करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया है। मैसेज में ये भी लिखा है कि 'इसको हल्के में ना लें, वरना सलमान खान का हाल बाबा सिद्दीकी से भी बुरा होगा।' देश की कानून व्यवस्था बहुत ही लाचार दिख रही है, यहां कोई भी किसी का मर्डर कर रहा है, कोई भी किसी को धमकी दे रहा है, ये आज के दौर में सबसे ख़राब बात है। रात - दिन मीडिया में ऐसी मानसिकता का महिमामंडन करना बेहद घिनौना है। हो सकता है इससे कुछ दिनों के लिए टीआरपी मिल जाएगी लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव बहुत बुरे होने वाले हैं। मुंबई पुलिस पर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं क्या कोई जेल में बैठकर मुंबई में किसी को भी मरवा सकता है? मुंबई पुलिस निगरानी के नाम पर क्या कर रही है? इस हत्याकांड को लेकर आरोपों के घेरे में जिस तरह के लोग आ रहे हैं, उससे यह भी जाहिर हुआ है कि जेल में बंद कोई अपराधी कैसे आपराधिक साजिशों को आसानी से अंजाम दे लेता है और पुलिस लाचार होकर देखती रहती है। बाबा सिद्दीकी अजीत पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ऐसे नेता थे, जिनकी राज्य की राजनीति और फिल्म उद्योग में खासी पकड़ और पैठ थी। जब इतने ऊंचे कद के नेता की सरेआम हत्या करने में अपराधियों को कोई खास बाधा पेश नहीं आई, तो आम लोग किस आधार पर खुद को सुरक्षित मानें। पकड़े गए आरोपियों के जरिए सामने आ सके ब्योरे यह बताने के लिए काफी हैं कि वारदात को अंजाम देते हुए उनके भीतर पुलिस और कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं था। इससे सबसे चौकस मानी जाने वाली मुंबई पुलिस की कुशलता पर भी सवाल उठे हैं।

सलमान खान का परिवार काफ़ी चिंचित है, जो मजबूत होने की कोशिश कर रहा है लेकिन ऐसे वक्त आसान नहीं होता। उनके परिवार ने बाबा सिद्दीकी पर हमले ने एक नया शक पैदा किया है, जिनका सलमान खान या उनके परिवार से कोई सीधा संबंध नहीं था। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या का श्रेय लिया है। लेकिन उनका मानना है कि सलमान खान के खिलाफ ताजा धमकियां एक गहरी और अधिक बड़ी साजिश को छिपाने की एक चाल हो सकती हैं। 'क्या किसी के लिए जेल से काम करना वाकई इतना आसान है? और कोई सलमान को डराने के लिए बाबा सिद्दीकी पर हमला क्यों करेगा? यह सब बहुत ही संदिग्ध लगता है।' मामला इतना आसान नहीं है जितना बनाया जा रहा है।

सबसे अफसोसनाक है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर योगेश ने कहा कि मुझे बदायूं से अरेस्ट किया गया था। मेरे टांग में गोली लगी है। मैं आसिफ बाबा गैंग में हूं। उस गैंग को भी लॉरेंस बिश्नोई ही चलाते हैं। मैं गरीब हूं। मुझे सताया गया और मुझ पर मुकदमे लगाए गए हैं। सलमान केस में कुछ लोग बीच में आ गए तो कुछ न कुछ तो होगा ही। बाबा सिद्दीकी कोई सही आदमी थोड़ा था, उस पर मकोका के केस लगे थे। आम आदमी पर मकोका थोड़े ही लगता है? दाऊद इब्राहिम से भी उसके संबंध थे। एक शूटर इतने बड़े - बड़े खुलासे कर रहा है, जो खुद को बहुत गरीब भी बता रहा है इससे पता चलता है कि कैसे युवाओं को पथभ्रष्ट किया जा रहा है। हमे अपने समाज़ को अपराधीकरण से बचाने के लिए हिंसा, अहिंसा का भेद करना होगा। वैसे भी बेरोजगार, असंतुष्ट युवाओं को अपनी सोच के साथ बहा ले जाना आपराधिक प्रवृत्ति के लिए आसान होता है। इससे पहले हमारे युवाओं की दिशा विपरीत हो जाए हमें आपराधिक मानसिकता का महिमामंडन करने से बाज आना होगा।

जीवन शैली

भागदौड़ की जिंदगी में अपने लिए नहीं मिलता वक्त

मोबाइल में पूरी तरह कैद हो चुकी है दुनियाा

स्मार्टफोन के स्क्रीन पर आने वाली सामग्री को देखते हुए वे दरअसल अपने और अपने आसपास की दुनिया को खो रहे होते हैं। मेट्रो या बस में सफर करते हुए या किसी जगह इंतजार करते हुए या फिर घर में ही ज्यादातर वक्त मोबाइल में गुम रहते हुए लोगों को यह पता तक नहीं चल पाता कि उनके आसपास कुछ और लोग भी हैं

अपने आसपास हम साफ-साफ देख सकते हैं कि ज्यादातर लोग इस तरह की जीवनशैली के चक्र में फंस गए हैं कि दूसरों के लिए तो दूर, वे खुद अपने लिए भी वक्त निकाल पाने में न तो कामयाब हो पाते हैं और न ही उनमें उनकी कोई रुचि रह जाती है। यह ज्यादा जटिल स्थिति है कि अपने लिए वक्त निकालने के सवाल को अब किसी अनोखी बात की तरह देखा जाने लगा है। इसकी वजह यह है कि ज्यादातर लोग ऐसे कामों में हमेशा ही व्यस्त दिखते हैं, जिसे वे 'अपने लिए वक्त' के तौर पर देखते हैं। मसलन, स्मार्टफोन में अपनी पसंद की सामग्री देखना। इसे लोग अपनी पसंद और अपने चुनाव के आधार पर चुनी गई व्यस्तता के रूप में देखते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करते हुए वे वक्त का उपयोग अपने लिए ही कर रहे हैं। मगर सच यह नहीं है। स्मार्टफोन के स्क्रीन पर आने वाली सामग्री को देखते हुए वे दरअसल अपने और अपने आसपास की दुनिया को खो रहे होते हैं। मेट्रो या बस में सफर करते हुए या किसी जगह इंतजार करते हुए या फिर घर में ही ज्यादातर वक्त मोबाइल में गुम रहते हुए लोगों को यह पता तक नहीं चल पाता कि उनके आसपास कुछ और लोग भी हैं, जिनसे बात करना, जिनके साथ घुलना-मिलना, संवेदनात्मक व्यवहारों का आदान-प्रदान भी उनकी मानवीय जिम्मेदारी है। वे अपने मोबाइल के स्क्रीन में कैद होकर रह जाते हैं और सोचते हैं कि वे अपने वक्त को जी रहे हैं।

बाधित सोच

सच यह है कि स्मार्टफोन के स्क्रीन पर उभरी सामग्रियां देखते हुए हम यह नहीं सोच पाते कि वे हमारा कितना वक्त छीन रही हैं। हमारी एकाग्रता और सोचने की प्रक्रिया को बाधित करने के अलावा हमारे प्रत्यक्ष कामकाज को भी रोकती हैं। उन्हें टालने के लिए मजबूर करती हैं। इस संजाल में उलझे हम यह सोच भी नहीं पाते कि कैसे हम अपनों से दूर होते चले जा रहे हैं और यहां तक कि खुद से भी दूर हो जाते हैं। एक तरह के सम्मोहन का शिकार होकर हम बिना किसी ठोस तर्क वाली चीजों में खो जाते हैं। किसी अच्छी किताब को पढ़ना, किसी उद्यान में जाकर शांति से बैठ कर प्रकृति को निहारना, किसी विषय पर अपने दिमाग को मथना, किसी हास्यबोध के प्रसंग पर मुस्कराना या खुल कर खिलखिला कर हंसना, किसी छोटे बच्चे को खेलते हुए देख कर मुदित होना, कभी खुद भी बच्चा बन कर खेलना और अपने बचपन के दिनों में खो जाना।

दिल-दिमाग की खुराक

यह सब कुछ ऐसी बातें हैं जो हमें इस बात का अहसास करा सकते हैं कि हम चारों तरफ वक्त छीनने के जाल के बीच से अपने लिए कुछ वक्त चुरा रहे हैं, अपने मन और दिमाग को कुछ खुराक दे रहे हैं। प्रकृति ने हमें दिल-दिमाग और शरीर से स्वस्थ रहने के सभी स्थितियां मुहैया कराई हैं। हम उन्हें चुनने और जीने के बजाय कुछ ऐसी बातों में उलझ जाते हैं, जो दिखने में हमारी होती हैं, मगर वे हमको दूर कर देती हैं। फिर आसपास की दुनिया की जीवंतता भी हमें नीरस लगने लगती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई शिक्षा नीति के सामने खड़ी चुनौतियां

■ मोहन सिंह

सन 1871 में जॉन रस्किन मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक पत्रिका निकलते थे। इस पत्रिका की तारीफ टालस्टाय ने भी किया था और बाद में महात्मा गांधी ने भी इस पत्रिका को खोजकर पढ़ा था। रस्किन की राय है कि वही शिक्षा लेनी चाहिए और वही शिक्षा दरअसल शिक्षा है- जो आत्मा का ज्ञान करावें मनुष्य मात्र को बचपन से यह जानना चाहिए कि साफ हवा, स्व'छ पानी और साफ-सुथरी मिट्टी किसे कहते हैं। इन्हें किस तरह रखा जाए और कैसे उपयोग किया जाए? यह बुनियादी सवाल है। दरअसल, इस मुद्दे पर हर दौर में चर्चा होनी चाहिए। हमें सबक लेना चाहिए कि औद्योगिक विकास के अब तक दौर में हमने इन प्रकृतिक धरोहरों के साथ किस तरह का व्यवहार किया है? शिक्षा के विषय में बौध दर्शन के विद्वान् आचार्य रिनपोछे सवाल करते है कि- क्या हमारी मौजूद शिक्षा व्यवस्था में -प्रज्ञा शील और समाधि के लिए कोई स्थान है ? मतलब विवेक, नैतिकता और संसार के बन्धनों से मुक्ति के उपायों की कोई गुंजाइश आज की शिक्षा से हम प्राप्त कर सकते हैं ?

यह सवाल इस लिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि एक ऐसे समय में हर चीज की कीमत लगाई जा रही है, उसे पण्य वस्तु मानकर खरीद-फरोख्त के लिए अवसरों की तलाश की जा रही है। तब शिक्षा के क्षेत्र में भी यही फॉर्मूला अपनाया रहा हो, तो इसमें कोई अचरज की बात नहीं। एक अनुमान के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सन् 20×5 तक हम विभिन्न क्षेत्रों से अपनी अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर योगदान की सम्भावना तलाशने में लगे हैं। इनमें स्कूलों-कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था से लेकर वित्तीय संस्थानों, बैंकिंग, सरकारी कामकाज, और 'आटोमेशन' की वजह हर क्षेत्र में छंटनी और नौकरियों के सेलेक्सन की प्रक्रिया में भी बड़े बदलाव आने के संकेत मिल रहे हैं।सन् 20×4 तक 'अलगोरिदम' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस% हर क्षेत्र में दुनिया को संचालित करने की स्थिति में आ जाएंगे। सवाल है कि तब हमारे स्कूल के उस 'दुखहरन मास्टर साहब' का क्या होगा, जिसकी चर्चा जन कवि नागार्जुन अपनी एक कविता में करते हैं और उस स्थिति से हमें रुबरु कराते हैं, जो आज भी हमारे गांवों की हकीकत है - फटी भीत है छत चूती है, आले पर बिस्तुईया नाचे। बरसा कर बेबस ब'चों पर मिनट- मिनट में पांच तमाचे, इस तरह दुखहरन मास्टर गढ़ता है, आदमी के सांचे।' जब आदमी के गढ़ने के सांचे 'अलगोरिदम' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के हवाले होगा तो फिर 'दुखहरन मास्टर साहब' जैसों की सेवा तो समाप्त ही समझें। क्योंकि इस तकनीक को समझने के पहले उन जैसे मास्टर साहबों का दम निकल जाएगा।इस कृत्रिम बौद्धिक मशीन के जन्मदाता एलन ट्यूरिंग है। सन् 1950 में एलेन ट्यूरिंग ने एक ऐसा कम्प्यूटर प्रोग्राम तैयार किया जो आदमी की

तरह सोच सकता था। सन् 1956 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिभाषा करते जॉन मैकार्थी कहते है कि-÷कृत्रिम बौद्धिकता बौद्धिक मशीन बनाने का एक विज्ञान है। इसके जरिए हर तरह की सीखने की कला और बौद्धिक स्वरूप को मशीन के द्वारा क्रियान्वित किया जा सकता है।÷ इस तकनीक का शिक्षा के क्षेत्र में आने का तात्कालिक असर यह होगा की क्लास रूम में अब बौद्धिक आदान-प्रदान का माध्यम अध्यापक के अलावा 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' भी होगा,जो दूरस्थ शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव के साथ -साथ क्लासरूम के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल देगा। यह कृत्रिम बौद्धिक मशीन देर-सवेर भारत में भी शिक्षा का माध्यम तो बनेगी ही। पर सवाल है कि क्या गांवों में अभी उस तरह का 'इंफ्रास्ट्रक्चर' या ऐसी तकनीक से लैश प्राथमिक स्तर पर मास्टर साहब उपलब्ध हैं? हम तकनीकी विकास के हर क्षेत्र में नित नई उड़ान भर रहे हैं।

उम्मीद करना चाहिए कि शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह पाएगा। दावा किया जा रहा है कि 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' भी अध्ययन के दौरान छात्रों के हर तरह की मुश्किलों को आसान करने का एक प्लेटफॉर्म होगा। यह हर छात्र के खूबियों और खामियों को डाटा की सटीक व्याख्या के जरिए समाधान करने का सक्षम है। यह किसी छात्र की पसंदीदा और नापसंदगी वाले 'टॉपिक' को समझाने और तदनुरूप उनकी वरीयताएं तय करने की योग्यता भी इसे प्राप्त है। इससे छात्रों को अपने विषय को समझने और अपनी अवधारणा स्पष्ट करने में भी आसानी होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मौजूदगी से भविष्य में ऐसे और कई चमत्कारिक परिवर्तन आने की सम्भावना हैं, जिनकी अभी तक कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। यह एक तरह से दुधारी तलवार वाली तकनीक है। इसलिए उन खतरों से वाकिफ होना भी उतना ही जरूरी है। विश्व विख्यात इतिहासकार युवाल नोआ हरारी अपनी हाल में प्रकाशित पुस्तक 'Ne&us'(नेक्सस) चेतावनी दे रहे है कि-÷मनुष्यों के हाथ 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के रूप में सामूहिक संहार का एक हथियार हाथ लग गया है।÷ इस पुस्तक में युवाल नोआ हरारी ने पाषाण काल से लेकर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के युग तक मनुष्यों द्वारा सूचना के तैयार किए गये 'नेटवर्क ' उन्होंने अपने अब तक के अध्ययन और अनुभवों के जरिये अभिव्यक्त किया है।मानवीय सभ्यता के विकास में भाषा का प्रचलन शुरू होने के बाद सूचनाओं के आदान-प्रदान, बात-विचार और व्यवहार में आसानी तो हुई ही। संचार के दूसरे माध्यमों मसलन प्रिंट- रेडियो, वायरलेस- टेलीविजन -टेलीग्राफ, इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिये पलक झपकते सूचनाओं का एक स्थान से दुनिया के किसी हिस्से में सूचनाओं का पहुंचाना बेहद आसान हो गया है। ऐसी भविष्यवाणी 19वीं सदी के उत्तरार्ध में निकोला टेस्ला ने भी किया था कि -आने वाले समय में ' सिंगल विंडो सिस्टम' के जरिए किसी फाइल को दुनिया के छोर से दूसरे छोर पर भेजना संभव हो जाएगा। उनकी अधिकतर भविष्यवाणियों की तरह यह भविष्यवाणी भी आज की हकीकत है। मानवी सभ्यता ने भाषा के विकास के बाद बातचीत के जरिए भी कई संस्थाओं का विकास किया है। शिक्षा भी उन संस्थानों में एक है, जहां बातचीत के जरिए ही हम अपने विचार का आदान-प्रदान करते हैं।

लोकतंत्र के बारे में युवाल नोआ हरारी का कहना है कि - लोकतंत्र की संस्था भी बातचीत के जरिए ही मजबूत हुई है, और आगे बढ़ी है। आज सोशल मीडिया टेलीविजन और इंटरनेट हमारे विचारों को एक स्थान से दूसरे पर स्थान तक पहुंचाने के माध्यम है। इन माध्यमों से हम अपने विचारों से देश और दुनिया को अवगत कराते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास में इन माध्यमों का उल्लेखनीय योगदान है। सवाल है कि अगर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'अलगोरिदम' ही भविष्य में हमारा भाग्य विधाता होने वाले हैं , तो हमारी बातचीत की प्रचलित परपाटी का क्या होगा? क्या हम अपने विचारों से एक दूसरे को अवगत कराने और उनसे असहमत होने के अपने मौलिक अधिकार से-जो किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है, वंचित नहीं हो जाएंगे? ऐसी आशंका है कि भविष्य में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' बौद्धिक आदान- प्रदान में सबसे बड़ी बाधा उत्पन्न करेगा। हमारा दिमाग और हमारे सोच का तरीका एक 'कार्बनिक इन्टीटी' है और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' उस तरह की 'ऑर्गेनिक इन्टीटी' नहीं है।

यह एक ऐसी 'इन्टीटी' है ,जो अनथक और अनवरत काम करता है। यह न सिर्फ हमारा ध्यान आकर्षित करता है, बल्कि अब तो यह हमारे जिन्दगी के एक -एक पल की निगरानी भी कर रहा है। इसलिए हमारी बातचीत के दायरे सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उनके व्यक्तिगत होने का भी अब दावा नहीं किया जा सकता है। एक तरह से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' हमारे विश्वास और बातचीत करने की योग्यता को भी खत्म कर रहा है। रही बात सूचनाओं की तो सूचनाएं हमेशा सत्य नहीं होती।युवाल नोआ हरारी कहते हैं कि सूचनाओं की तरह सत्य भी एक बेहद पेचीदा मसला है। इस अर्थ में अगर देखा जाए तो सत्य की तह तक पहुंचाना और सत्य का ज्ञान प्राप्त करना आज के युग में कितना कठिन होता जा रहा है।अब तक हम बात - विचार को, सुनने - गुनने को, विचारों के आदान-प्रदान के जरिये एक दूसरे से सीखते -सीखाते रहे हैं। अब अगर बातचीत की भी कोई गुंजाइश ही नहीं बचेगी, जैसा कि युवाल नोआ हरारी दावा कर रहे हैं। तब यह बेहद जरूरी है कि अभी से हम इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आने वाली पीढ़ी को तैयार करें।

-साभार

रीवा एयरपोर्ट लोकार्पण पर विशेष

विन्ध्य की उड़ान को लगे सुनहरे पंख!

राजेन्द्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री, मप्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब कहते थे कि वह दिन भी अब दूर नहीं, जब हमारे देश के 'हवाई चप्पल वाले लोग भी हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे' तब विरोधी इसे महज जुमला कहकर बात हवा में उड़ा देते थे। ऐसे लोगों को आज रीवा आकर देखना चाहिए कि सपना किस तरह यथार्थ के धरातल पर उतरकर चरितार्थ हो रहा है। 20 अक्टूबर 2024 की तारीख विन्ध्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनने जा रही है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चिरप्रतीक्षित रीवा हवाई अड्डे का लोकार्पण करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री रीवा में एक ऐसे हवाई अड्डे को लोकार्पित करने जा रहे हैं, जो भविष्य में उत्तर मध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयर ट्रैफिक डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। साथ ही इस क्षेत्र को विकास के उच्च पायदान पर स्थापित करेगा। औद्योगिक निवेश और पर्यटन के लिए वैश्विक संभावनाओं का पथ प्रशस्त करेगा।

दो वर्ष पूर्व इंदौर में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स मीट में विश्व भर के उद्यमियों के बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया (तत्कालीन नागरिक विमानन व उड्डयन मंत्री) ने यह घोषणा की थी कि हम मध्यप्रदेश के छठवे हवाई अड्डे को निर्मित और विकसित करने जा रहे हैं। उनकी इस घोषणा ने दुनियाभर के उन उद्योगपतियों के ध्यान को आकृष्ट किया, जो यहाँ पावर व माइनिंग सेक्टर, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्रीज की संभावनाओं को देखते हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश करने वालों के लिए यह अवसरों का दरवाजा खोलने वाला है। यह सुयोग है कि 23 अक्टूबर को रीवा में विन्ध्य में इन्वेस्टर समिट और रीजनल इन्डस्ट्रियल कान्क्लेव का आयोजन हो रहा है। यह हवाई अड्डा विन्ध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से एक्सीलेटर की भूमिका निभाएगा, यह मेरा दृढ़ विश्वास है। रीवा का हवाईअड्डा कई चरणों में विकसित हो रहा है। प्रथम चरण में 72 सीटर यात्री विमान के उड़ान की सुविधा प्रारंभ हो रही है। पाँच साल में रीवा का हवाईअड्डा बोइंग की लैंडिंग और अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए बनकर तैयार हो जाएगा। वह दिन दूर नहीं जब यहां से विदेशों के लिए भी हवाई जहाज उड़ने लगेंगे। रीवा एयरपोर्ट शिलान्यास के बाद रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ है । हवाई यातायात की सुविधा की दृष्टि से रीवा अब भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो की श्रेणी में आकर खड़ा हो गया है। भविष्य में हम और भी आगे बढ़ेंगे। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के कुशल और फलदायी नेतृत्व के अनुभव को देखते हुए मैं यह विश्वासपूर्वक कह सकता हूँ कि अगले पाँच वर्षों के भीतर हम सब का सपना पूर्णरूपेण यथार्थ के धरातल पर उतर जाएगा। यह विन्ध्य की आशाओं के केन्द्र रीवा के विकास का श्रेष्ठ व उन्नत दौर है, जो स्वतंत्रता के अमृतकाल में प्रारंभ हो हुआ है। मैं जब कहता हूँ कि रीवा मध्यप्रदेश ही नहीं देश के समुन्नत और श्रेष्ठ महानगरों की श्रेणी में आगे बढ़ रहा है, तो इसके पीछे ठोस आधार है। 1956 तक रीवा विन्ध्यप्रदेश की राजधानी रहा है और तब इसकी ख्याति भोपाल, लखनऊ, पटना और भुवनेश्वर जैसे शहरों के समकक्ष थी। कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक द्वेषवश रीवा से एक प्रदेश की राजधानी होने का गौरव छीन लिया। 1956 से 2004 तक यह उपेक्षित और अभिशप्त पड़ा रहा। विन्ध्य में आज जो प्राकृतिक संसाधन हैं वो कल भी थे। आम नागरिकों में विकास की ललक और अपेक्षाएं कल भी वैसी ही थीं। केन्द्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली व प्रदेश में तत्कांलीन मुख्येमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अब मुख्यशमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आहत और उपेक्षित विन्ध्यवासियों की पीड़ा और भावनाओं को समझा है। आज यह क्षेत्र कई मामलों में देश में अग्रगण्य है।

जब मैं कहता हूँ कि रीवा एयरपोर्ट उत्तर मध्यभारत का सबसे महत्वपूर्ण एयरपोर्ट होगा तो मेरी दृष्टि के सामने सिंगरौली का पावर काम्प्लेक्स उभरकर आता है। सिंगरौली में थर्मल प्लांटस में 20,000 मेगावाट से ज्यादा विद्युत उत्पादन होता है। देश का यह सबसे बड़ा पावर काम्प्लेक्स है। बाणसागर का विस्तृत जल प्रक्षेत्र और उसके द्वीप विकसित होने पर हनुवंतिया के आकर्षण से आगे का प्राकृतिक सौंदर्य प्रस्तुत करेंगे। इन्हीं सबके आधार पर मैं यह कहता हूँ कि रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के उन्नत उडान के लिए स्वर्णिम पंख लगाने जा रहा है। रीवा एयरपोर्ट के फलितार्थ होने में भी परिश्रम की पराकाष्ठा शामिल है। मैं आभारी हूँ तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जब उन्होंने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को रीवा में एयरपोर्ट की संभावनाओं के अध्ययन के लिए पत्र लिखा। इसके बाद वह सिलसिला चल निकला। प्रधानमंत्री ने किफायती दरों वाली उडान योजना लांच की तो उन्हीं की कृपा से रीवा 'उडान' में शामिल हो गया। जब मैं विन्ध्यजनों की ओर से, रीवा के नागरिकों की ओर विनयवत हूँ, आभारी और कृतज्ञ हूँ।

जो कांट्रेक्टर कार्य नहीं कर रहे है उन्हें ब्लैकलिस्ट कर रिटेंडर की प्रक्रिया की जाए...

मार्च 2025 तक नर्मदापुरम जिले को हर घर नल जल घोषित कराया जाएगा : नरहरि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पीएचई विभाग के सचिव पी नरहरि ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक में नर्मदापुरम जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रही जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। श्री नरहरी ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। जल जीवन मिशन में फंड की कोई कमी नहीं है। मध्यप्रदेश प्रशासनिक एवं अभियांत्रिकी दृष्टिकोण से सशक्त प्रदेश है। मध्य प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा सशक्त है।

प्रदेश के 51 जिलों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत एफएचसीटी के तहत कार्य किये जा रहे है। हमारा लक्ष्य है कि मार्च 2025 तक हम नर्मदापुरम जिले को हर घर जल घोषित करायें। श्री नरहरि ने कहा कि नर्मदापुरम, हरदा एवं भिंड जिला जल्द ही शत प्रतिशत हर घर जल घोषित होंगे। श्री नरहरि ने सभी सहायक यंत्रियों को निर्देश दिये कि वे नलजल के तहत घरों में शत प्रतिशत एफएचसीटी कर के नल जल योजना पूर्ण कर ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करें। श्री नरहरी ने सभी सहायक यंत्रियों एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे हर घर जल के तहत नल कनेक्शन घरों तक पहुंचाने के लिए जितने भी मेन पॉवर है अधिकारी कर्मचारी, एनआरएलएम की टीम एवं सभी को कार्य सौंप कर लक्ष्य को पूरा कराये। श्री नरहरि ने निर्देश दिये कि नल जल योजना में कनेक्शन देने का कार्य एवं टेल क्षेत्र तक पेयजल पहुंचाने का कार्य आधा अधूरा न रहे। खराब कार्य किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगा कार्य गुणवत्ता पूर्ण होनें चाहिये। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में यह स्पष्ट रूप से अंकित है कि पाइप लाइन कितने ग्रोथ से बिछाई जाएगी। पाइपलाइन बाहर न दिखे एवं पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढे खुले न छोडे जाए इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होनें कलेक्टर सोनिया मीना को निर्देश दिये कि वे नल जल योजना का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराये। श्री नरहरी ने सभी जनपद के सीईओ एवं सहायक यंत्रियों को निर्देश दिये कि वे फील्ड में रहकर पूरी तन्मयता से रूचि लेकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के घर में नल के द्वारा पानी आता है तब उस व्यक्ति की खुशी देखते ही बनती है। व्यक्ति का दो से तीन घण्टे का समय बाहर से पानी भरने की वजह से बच जाता है। उन्होनें सभी सीईओ निर्देश दिये कि वे प्रति सप्ताह जल जीवन मिशन के कार्य की समीक्षा करे।

श्री नरहरि ने बताया कि कॉन्ट्रैक्टर के पेमेंट का कोई इश्यू नहीं है यदि कोई कॉन्ट्रैक्टर कार्य नहीं कर रहा है तो उसे ब्लैक लिस्टेड कर उस कार्य का रीटेण्डर लगाया जाये। कोई सहायक यंत्री या सीईओ कार्य में रूचि नहीं ले रहा है तो उस पर भी निलंबन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। श्री नरहरी ने निर्देश दिये कि नल कनेक्शन के बाद हर घर से नल जल की राशि अनिवार्य रूप से ली जाए इस कार्य में स्व सहायता समूह की मदद ली जाए। स्व सहायता समूह को 10 प्रतिशत राशि देने का प्रावधान किया गया हे। श्री नरहरी ने कहा कि सभी सीईओ यह सुनिश्चित करेंगे कि नलजल योजना सुचारू रूप से चले। उन्होनें बताया कि भारत सरकार एक घर में नल लगाने के लिए 30 हजार तक की राशि एवं एक गांव में नल जल योजना स्थापित करने के लिए 01 करोड़ रुपए तक की राशि खर्च कर रही है1 क्योंकि भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य हर घर में स्वच्छ पेयजल देना है। श्री नरहरि ने कहा कि जल जीवन मिशन विश्व की सबसे बडी योजना है। हमें वास्तव में हर घर में जल देना है इसलिए संपूर्ण कार्य करना और कमियों को दूर करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होनें कहा कि नर्मदापुरम जिले में जल जीवन मिशन पूर्ण होने की पूरी संभावना है। श्री नरहरी ने कहा कि प्रतिदिन 40 से 45 नल कनेक्शन कर लक्ष्य की प्राप्ति कर ली जाएगी। उन्होनें कहा कि आगामी दिसंबर माह में जल जीवन मिशन के कार्य की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।नर्मदापुरम संभागायुक्त के.जी तिवारी ने सभी सीईओ एवं सहायक यंत्रियों को निर्देश दिये कि वे प्रतिदिन नल कनेक्शन कराने के कार्य में प्रगति लाए। उन्होनें बताया कि जो नल जल योजना पूर्ण हो गई है उनकी क्वालिटी में सुधार किया जाये। कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि हर जनपद पंचायत की पांच पांच नल जल योजनाओं का रीव्यू किया गया था। बताया गया कि खेड़ला, नयागांव, महुआढाना, रजौराघाट, मंगवारी, आमापुरा में नल जल योजनाऐं चालू है ब्यावरा में पानी की टंकी का कार्य किया जा रहा है। चंद्रवाड में कार्य पूर्ण है लेकिन नल जल योजना चालू नहीं है। सचिव श्री नरहरि ने आँचलखेडा में बंद पड़ी नल जल योजना को पुनः चालू कराने के निर्देश दिये। बताया गया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले में 01 लाख 81 हजार 859 परिवारों में से 01 लाख 39 हजार 705 परिवारों को एफएचटीसी (क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन) प्रदाय किये गये हैं। शेष 42 हजार 154 नल कनेक्शन का लक्ष्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

अनुप कुमार उईके ने संभाला सिवनी मालवा थाने का चार्ज

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

विगत दिनों पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण सिंह ने सिवनी मालवा थाना प्रभारी श्रीमती उषा मरावी को रक्षित केंद्र नर्मदा पुरम स्थानांतरण किया तो वहीं रक्षित केंद्र से सिवनी मालवा थाना प्रभारी का चार्ज अनुप कुमार उईके को सोपा गया। थाना प्रभारी ने बताया कि सिवनी मालवा में चाक चौबंद पुलिस व्यवस्था रखना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। किसी भी हाल में लापरवाही नहीं बरती जाएगी मै जब तक थाना सिवनी मालवा में हूं मेरी कोशिश रहेगी कि शहर को एक बेहतर पुलिस व्यवस्था के साथ, नागरिकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की जाए अपराध में कमी लाने के लिए अपराधियों का बायोडाटा तैयार किया जा रहा है किसी भी परिस्थिति में नगर में और सिवनी मालवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अवैध गतिविधियों और मादक पदार्थ पर अंकुश लगाया जाएगा वहीं नगर में चल रहे जुआ सट्टा और गांजा बेचने वालों पर भी निरंतर कार्रवाई की जाएगी उसी के लिए थाने में अपराधियों से संबंधित रिकार्ड तैयार किया जा रहा है। आज से ही रात्रि गस्त बढ़ाई जा रही है जिससे की चोरी के मामले में अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने थाने का चार्ज लेते ही थाने से लेकर गांधी चौक तक पैदल मार्च कर भ्रमण पर निकले इस दौरान सड़को के आसपास के अंडा दुकानों पर पिलाई जाने वली शराब ओर लोहिया पुल पर खड़े ठेले वालों को भी समझाइश दी।

विकासखंड स्तरीय जादू नहीं विज्ञान है कार्यक्रम संपन्न 22 स्कूलो की रही सहभागिता

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश भोपाल एवं कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदा पुरम के निर्देशानुसार शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा में विकासखंड स्तरीय जादू नहीं विज्ञान है समझना समझाना आसान है कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 22 स्कूलों ने अपनी सहभागिता की कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अंधविश्वास एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य ए.एस. राजपूत ने किया। जिसमें संबंधित संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने प्रयोग प्रदर्शन एवं विज्ञान नाटिका का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का संचालन संस्था के शिक्षक सुनील यादव ने किया जिसमें प्रयोग प्रदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बी-जामनी प्रथम स्थान, शासकीय सी एम राइज उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वितीय स्थान, शासकीय हाई स्कूल गोलगांव तृतीय स्थान, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाडा चतुर्थ स्थान, शासकीय हाई स्कूल बाबरी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया विज्ञान नाटिका में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालापाठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया उक्त सभी स्कूल दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी मेला में कार्यक्रम किया जाएगा।

आईआईएम इंदौर के छात्रों ने गांव में रहकर किया अध्ययन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के केसला एवं नर्मदापुरम विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्र में आईआईएम इंदौर से अध्ययन सह भ्रमण पर आये छात्रों के द्वारा ग्राम में 4 दिवस के प्रवास एवं भ्रमण के दौरान स्व सहायता समूह का आजीविका गतिविधियों के माध्यम से सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास, रोजगार की संभावनाएं एवं टेक होम राशन प्लांट की संवहनीयता विषय पर अध्ययन किया गया। चार दिवसीय प्रवास एवं अध्ययन उपरांत चारो टीमों के द्वारा जिला प्रेजेंटेशन दिया गया। प्रेजेंटेशन के दौरान आजीविका मिशन, एवं शासन की अन्य महत्वपूर्ण हितग्राही मूलक योजनाओं से ग्राम स्तर पर पर जो परिवर्तन आये उसके संदर्भ में बताया तथा सुधारात्मक सुझाव भी दिये गये। आईआईएम इंदौर की टीम के चार बैच मे कुल 23 छात्र छात्राएं उपस्थित थे। उन्होंने बताया की हमारा नर्मदापुरम जिले के ग्रामों मे आवासीय भ्रमण बहुत अच्छा रहा और हमे ग्राम स्तर पर स्व सहायता समूह की दीदियों से रूबरू होने का अवसर मिला हमे उनसे बहुत सी बाते जानी और सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।यह भ्रमण दल जिले के तीन विकासखंड नर्मदापुरम के ग्राम रंढाल, केसला के ग्राम कासदारैयत एवं ग्राम दौड़ी तथा माखन नगर के टेक होम राशन प्लांट में दिनांक 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2024 तक गांव में ही रहकर अध्ययन कार्य किया।

मुख्यमंत्री से मिलेगा सर्व समाज जन सेवक संगठन का प्रतिनिधिमंडल

नर्मदापुरम। सर्व समाज जन सेवक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल यादव द्वारा संपूर्ण प्रदेश में सर्वसमाज जन सेवक संगठन का गठन किया गया जिसके तहत नर्मदापुरम में संभागीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित एवं प्रदेश सह सचिव ललित यादव की अनुशंसा पर बैतूल लोकसभा हेतु लाल सिंह मरावी एवं नर्मदा पुरम लोकसभा हेतु बद्री प्रसाद का नाम प्रस्तावित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष को प्रेषित किया. इस अवसर पर सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के अशोक दी बोलिया हेमंत शर्मा ललित यादव द्वारा लोकसभा अध्यक्षों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की. श्री दीक्षित ने बताया कि अति शीघ्र मुख्यमंत्री महोदय से उक्त संगठन का प्रतिनिधिमंडल मिलेगा. राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल यादव द्वारा उक्त संगठन का निर्माण कर निश्चित ही शोषण एवं पीड़ित मानव सेवा का एक अनुकरणीय कार्य प्रारंभ किया है जहां हर जाति हर धर्म हर समाज के व्यक्ति जिसकी कोई राजनीतिक पहुंच न होने के कारण हर तरफ से मिलने वाले लाभ सहयोग से वंचित रहता है उस व्यक्ति विशेष के लिए यह संगठन कार्य करेगा जिसकी पीड़ित परिवार को चाहत रहती है।

शास.कन्या महाविद्यालय रायसेन में 21 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला

रायसेन। रायसेन स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में 21 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया गया है जिसमें विभिन्न कम्पनियों द्वारा युवाओं की भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिले के कक्षा 8वी, 10वी, 12वी तथा स्नातक उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक की आयु के युवा इस रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। इच्छुक आवेदक 21 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे शासकीय कन्या महाविद्यालय रायसेन में साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं। इस हेतु कोई मार्ग व्यय नहीं दिया जाएगा।

मेट्रो एंकर | **प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागी होंगे**

शास्त्रीय संगीत के साथ हुआ युवा उत्सव का समापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय में युवा उत्सव गीत संगीत के साथ संपन्न हुआ। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं सफलता के लिए अंतिम नहीं हैं बहुआयामी शिक्षा व्यवस्था में जीतने के अनेक अवसर हैं। कोशिश लगातार करते रहें। युवा उत्सव प्रभारी व जिला समन्वयक डॉ प्रीति आनंद उदयपुरे ने युवा उत्सव को युवाओं के चहुंमुखी विकास का माध्यम बताया। उन्होंने दो दिवसीय उत्सव को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यक्रम की सफलता सभी के सहयोग और समर्पण से ही संभव है।

'भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' थीम पर हुई

क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता के परिणाम: मनोज टेकाम प्रथम, मनोज कीर द्वितीय, शांति माझी तृतीय।
कोलाज प्रतियोगिता: शिवम सैनी प्रथम, अक्शा खान द्वितीय, रोहन तृतीय ।
वादन प्रतियोगिता शास्त्रीय एकल नान परकुशन: प्रथम आदित्य चौहान प्रथम यश मालवीय द्वितीय
वादन परकुशन: रोशन चौहान प्रथम, सौरभ सराठे द्वितीय , नानक महिपाल तृतीय
शास्त्रीय एवं पाश्चात्य गायन प्रतियोगिता: भारतीय समूह गायन में तनिष्का समूह प्रथम, आदित्य समूह द्वितीय
पाश्चात्य समूह गायन: पियूष समूह प्रथम
एकल गायन शास्त्रीय : तनिष्का शर्मा प्रथम, सक्षम परसाई द्वितीय
सुगम गायन : नानक महिपाल प्रथम, प्रियांशु राजपूत द्वितीय, सक्षम परसाई तृतीय
प्रश्न मंच प्रतियोगिता : समूह ए में सत्यम गुप्ता प्रथम, धर्मेंद्र कटारे द्वितीय, प्रिया साहू तृतीय
समूह बी में अभय अमोले प्रथम, अनुसुईया चौहान द्वितीय, श्रृष्टि चंद्रवंशी तृतीय रहे।

इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में रहे...

निर्णायक की भूमिका में प्रो. के. जी. मिश्र, डॉ. राजेश दीवान, डॉ. महेश मानकर, डॉ. बी. एस आर्य, डॉ. रवि उपाध्याय, डॉ.राजीव शर्मा, डॉ. सविता गुप्ता, डॉ. आलोक मित्रा, डॉ. ममता गर्ग, एवं डॉ. कल्पना विश्वास रहे। कार्यक्रम में डॉ जय श्री नंदनवार, डॉ महेश मानकर, डॉ रुपा भावसार, डॉ शोभा बिसेन सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गये। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश परमार एवं डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने किया। इस महाविद्यालयीन युवा उत्सव प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागी होंगे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्राप्त किए जाएंगे दावे-आपत्ति

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 29 अक्टूबर 2024 को किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने बताया कि आयोग के कार्यक्रम अनुसार मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन उपरांत दावे एवं आपत्तियां 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक प्राप्त की जाएगीं। जिसमें 01 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आहार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवा मतदाताओं एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में जोड़े जाएंगे। साथ ही मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के संबंध में विलोपन की कार्यवाही तथा नाम, आयु, पिता, पति आदि में संशोधन की कार्यवाही भी की जाएगी। यह कार्यवाही बीएलओ द्वारा ऑफलाइन तथा वोटर हेल्पलाइन एप, वोटर पोर्टल, एनव्हीएसपी, सक्षम एप आदि के माध्यम से ऑनलाईन किए जा सकते हैं।

1 साल से फरार दस हजार के इनामी आरोपी

बन्ने बेलदार को चुरु राजस्थान से पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

दुष्कर्म अपहरण कई धाराओं में वांछित आरोपी बन्ने बेलदार लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था आखिरकार पुलिस ने 1 साल से फरार चल रहे बन्ने बेलदार को चुरु राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया जिसकी जानकारी देते हुए एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि तकनीक का सहारा लेकर आरोपी की जानकारी ट्रेस करके उसको गिरफ्तार किया है।एसपी रोहित काशवानी द्वारा जिले में विशेष अभियान चलाकर अपराधों में फरार आरोपीगणों की तलाश पतारसी कर गिरफ्तार करने के संबंध में निर्देश दिए गए थे। उसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एस. डी.ओ.पी. के मार्गदर्शन में इन्चार्ज थाना प्रभारी उनि. राकेश रघुवंशी द्वारा थाना स्तर पर आरोपियों की धरपकड़ हेतु टीम गठित की गई। जिसके द्वारा कार्यवाही करते हुए करीब 1 साल से फरार चल रहे 10000 रुपये के इनामी को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। आरोपी पर 19.11.2022 को थाना में शिकायत कर्ता ने उसकी नाबालिग लडकी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया है।, इस पर थाना में धारा 363 भादवि पंजीबद्ध किया गया था । अनुसंधान के दौरान प्रकरण में धारा 344, 348, 365, 366-क, 376-डी, 109, 120-वी, 193, 195, 196, 506, 34, भादवि एवं 16/17, 5-जी/6 पास्को एक्ट एवं 3(2)ङ्क, एससी एसटी की वृद्धि की गई । प्रकरण में फरार आरोपी बन्ने खां बेलदार पुत्र मुंशी उम्र 45 साल निवासी ग्राम चौडाखेडी के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा 10000 रूपये की इनाम की घोषणा की गई थी उक्त अपराध में आरोपी करीब 1 साल से फरार था । जिसकी घटना दिनाँक से ही लगातार खोजबीन की जा रही थी । मुखविर की सूचना के आधार पर दिनांक 18/10/2024 आरोपी बन्ने खां बेलदार को थाना भालेरी जिला चूरू राजस्थान से गिरफ्तार किया गया । सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। आरोपी को पकड़ने में विशेष भूमिका उनि. राकेश रघुवंशी , सउनि मोहनलाल , प्र.आर. अमित मिश्रा , आर. सुनील मल्होत्रा , आर. शशांक पाठक की रही इस सफलता पर पुलिसकर्मियों को इनाम भी मिलेगा।

मलानी सड़क पर अस्थाई अतिक्रमण से रुक था कार्य, हटाया

प्रशासन की अवैध अतिक्रमण के खिलाफ मुहिम पर लगे भेदभाव के आरोप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर सहित शहर के आसपास इन दिनों अवैध अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़क पर चलना मुश्किल हो रहा है। शहर की ऐसी कोई सड़क नहीं होगी जहां पर अवैध रूप से अतिक्रमण न हो, हालांकि समय-समय पर नगर पालिका और राजस्व प्रशासन मिलकर अभियान भी चलाता है, और इन अवैध अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई भी की जाती है। लेकिन प्रशासन की इस कार्रवाई पर अब शहर के लोग आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि जिन सड़कों पर सबसे अधिक अवैध अतिक्रमण है और जहां हटाना भी सबसे ज्यादा जरूरी है ऐसे स्थानों पर प्रशासन अवैध अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा है। अब इसे राजनीतिक दबाव कहें या फिर इन उद्योगपतियों की दबंगई जिसके कारण स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बनकर सिर्फ गरीबों के आशियाने हटाने में ही लगा हुआ है। पिछले एक हफ्ते से प्रशासन लगातार शहर में हाथ ठेला चालक, गुमठीयां एवं गरीबों के आशियाने तो हटा रहा है, लेकिन जहां-जहां रसूखदारों के अवैध अतिक्रमण आते हैं प्रशासन की यह मुहिम दूसरी तरफ मुड़ जाती दिखाई प्रतीत होती है। वही पड़ताल की तो सच्चाई भी सामने आई आपको बता दें कि मनसापूरण रोड किनारे घुमंतू जाति के कुछ परिवार अवैध रूप से टपरा डालकर रह रहे थे, जिन्हें प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी चलाकर तोड़ दिए थे, ऐसे ही विगत दिवस पूर्व बासौदा नाका तिराहे पर सब्जी विक्रेता एवं गुमठी संचालकों पर नपा प्रशासन ने चालानी कार्रवाई की है, इसके अलावा शहर के अन्य कई स्थानों पर भी लोगों के अवैध अतिक्रमण प्रशासन ने तोड़े हैं। लेकिन जब भी शहर के रसूखदारों के अवैध अतिक्रमण की बारी आती है, प्रशासन के हाथ पैर फूल जाते हैं। क्योंकि प्रशासन ने कुछ माह पूर्व लटेरी रोड पर एक निजी स्कूल एवं कॉलोनी के आसपास अवैध अतिक्रमण को लेकर नोटिस जारी किए थे लेकिन अभी तक यह कार्रवाई सिर्फ नोटिस तक ही सीमित है। जिससे नपा एवं राजस्व प्रशासन की कार्रवाई पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन इस मामले पर स्टे एवं कोर्ट में गतिशील होने की बात कर रहा है।

अतिक्रमण के कारण 2 वर्ष से अटका सड़क निर्माण कार्य

इमलानी रोड का निर्माण कार्य पिछले दो वर्षों से अधिक समय से चल रहा है। इस रोड का आखिरी सिरा सिरोंज मंडी बाईपास से जुड़ता है। जहां पर कुछ लोगों का अस्थाई अवैध अतिक्रमण बताया जा रहा है जिसके कारण निर्माण कार्य लगातार अटका हुआ है। इसकी वजह से करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद भी लोगों को उक्त सड़क का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हालांकि शनिवार को उक्त सड़क पर बने अस्थाई अतिक्रमण पर निर्माण एजेंसी के द्वारा बुलडोजर चला कर तोड़ा गया है। जिससे अब सड़क निर्माण में आसानी होगी।

शहर की सड़कों पर अवैध वाहन पार्किंग है प्रमुख समस्या

सौंदर्यकरण के तहत नगर पालिका प्रशासन लगातार शहर को साफ स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। जिसके तहत छतरी चौराहे से लेकर बासौदा नाके तक करीब दोनों तरफ 10 फीट सड़क का चौड़ीकरण हुआ है। लेकिन वर्तमान में यह जगह भी अवैध वाहन पार्किंग का हिस्सा बन चुकी है। दुकानों के बाहर लोग अवैध रूप से वाहन खड़े कर चलते बनते हैं, जिसके कारण दिन में कई बार जाम की स्थिति देखने को मिलती है। वहीं उक्त सड़क पर व्यापार कर रहे व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन को चुना डालकर सड़क निश्चित करना चाहिए, इससे आगे ना तो दुकानदार सामान रख सकते हैं और ना ही कोई दुकानदार वाहन खड़े कर सकता है।

इनका कहना है -

इन मामलों पर मैं कुछ नहीं कह सकता हूं, तहसीलदार ही बता सकते हैं।

- हर्षल चौधरी एसडीएम

शहर में जहां-जहां से अवैध अतिक्रमण की जानकारी लगती है लगातार कार्रवाई की जा रही है, और यह आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

- संजय चौरसिया तहसीलदार

ग्राम पंचायत डिंडोली में हर घर नल से जल पहुंचा प्रत्येक घर में शुद्ध पेयजल की सुविधा मिली

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले के गजंबासौदा विकास खण्ड की ग्राम पंचायत डिंडोली में 235 परिवार निवासरत हैं। इस ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना के निर्माण से पहले ग्रामीणों को पेयजल के लिए बहुत परेशानियां होती थी। ग्रामीण महिलाओं को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता था और दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर हैण्डपंपों से पानी लाना पड़ता था। पानी के लिए उन्हें अधिकांश समय देना पड़ता था। जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम डिंडोली की नलजल योजना से पूरे ग्राम एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह की सहरिया जाति के लगभग 27 परिवारों को नलजल योजना से समस्त घरों में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल प्रदाय हो रहा है, जिससे उनके जीवन में सुधार आया है। जो समय ग्रामीण महिलाएं पहले पेयजल व्यवस्थाओं को जुटाने के लिए उपयोग करती थी, अब उसी समय को बचाकर घर के कामों एवं बच्चों की पढ़ाई में लगाती है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम डिंडोली में नलजल योजना से समस्त ग्रामीणों को उन्हीं के घर पर नल के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। नलजल योजना से सतत् प्रर्याप्त एवं शुद्ध पेयजल हेतु ग्राम पेयजल समिति का गठन किया गया है, जो कि ग्राम की नलजल योजना का संचालन एवं का देखरेख करती है। साथ ही योजना के संचालन संधारण हेतु ग्रामवासियों से जलकर भी वसूल कर रही है। ग्राम में नलजल योजना से जलप्रदाय की शुद्धता की जाँच हेतु 5 महिलाओं की जल सतर्कता निगरानी समिति बनाई गयी है, जिससे पेयजल की जांच समय-समय पर होने से ग्रामवासियों को जलजनित बीमारियों से निजात मिली है।

शुभ लाभ हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को नगर के शुभलाभ हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजन किया गया। जिसमें शिविर का शुभारंभ न्यायालय प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम द्वारा महात्मा गांधी के चित्र पर माल्या अर्पण कर किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम ने कहा कि छात्र जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस समय व्यक्ति की दिशा और दशा निर्धारित होती है। उन्होंने संविधान के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि व्यवस्था को चलाने के लिए कार्यपालिका, विधायिका, और न्यायपालिका इन तीनों अंगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने स्कूल के छात्र छात्राओं को अपने कर्तव्य और अधिकार बताए और अपने कार्य को लक्ष्य बनाकर करने की प्रेरणा दी। इसके अलावा वर्तमान में हो रहे सायबर ठगी से बचने के तरीकों को भी बताया। इस अवसर पर बालिकाओं को बताया कि अगर उनके प्रति किसी भी प्रकार का कोई अपराध होता है तो तत्काल पुलिस को सूचना दे, अंत में छात्रों के साथ संवाद किया व छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान पैरालीगल वालंटियर रामबाबू कुशवाह सहित बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं और स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

सेवा भूमि पर ली जाने वाली धान एवं मोटा अनाज फसलों के पंजीयन निर्देश

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

शासन निर्देशानुसार कोटवारों को आबंटित शासकीय (सेवा) भूमि पर ली जाने वाली फसलों को समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु पंजीयन कार्यो के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। तदनुसार उत्पाद खरीफ विपणन वर्ष 2024.25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज यज्वार एवं बाजराद्ध उपार्जन हेतु किसान पंजीयन बायोमेट्रिक सत्यापन ओटीपी के माध्यम से पंजीयन कराने की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था अंतर्गत कोटवारों को आवंटित सेवा, राजस्व भूमि पर फसल की बुवाई की जाती है। जिनका पंजीयन में आ रही कठिनाईयों को दृष्टिगत रखते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी डीएसओ की लांगिग से पंजीयन की निम्नानुसार व्यवस्था की गई है। कोटवारों को आवंटित सेवा भूमि पर फसल बुवाई हेतु अधिकृत व्यक्ति को जारी खाता बही की प्रति प्रस्तुत करना होगी एवं खाता बही में उल्लेखित नाम से पंजीयन किया जा सकेगा। उक्त कृषकों का समय सदस्य आईडी आधार नंबर आधार से लिंक मोबाइल नंबर आधार अर्थटिकेशन उपरांत ओटीपी, बायोमेट्रिक पंजीयन किया जाएगा। कोटवारों को आवंटित सेवा भूमि पर बोए गए रकबे एवं फसल का सत्यापन राजस्व विभाग के अमले द्वारा किया जाएगा सेवा भूमि पर रकवे पर बोई गई फसल विक्रय की राशि का भुगतान उक्त कोटवारों के आधार से लिंक बैंक खाते में ही भुगतान किया जाएगा। कोटवारो का पंजीयन खसरे में दर्ज भूमि के बोए गए रकबे एवं फसल के आधार पर पंजीयन किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि कोटवार कृषकों का पंजीयन 21 अक्टूबर तक किया जाए।उक्तानुतार पंजीकृत कृषकों की भूमि एवं फसल के सत्यापन ई.उपार्जन पोर्टल पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तहसीलदार नायब तहसीलदार द्वारा कराया जाएगा।

राजस्व महाभियान में विदिशा जिला तीसरे स्थान पर समयावधि में कार्यो का संपादन करें : सिंह

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए है कि तमाम कार्य समयावधि में पूर्ण कराएं ताकि स्थानीय रहवासियों के विश्वासो पर राजस्व अमला खरा उतरें। उन्होंने समस्त एसडीएमो से कहा है कि खण्ड स्तरीय विभागो के कार्यो की भी सतत मानिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि ऐसी समस्याएं जिनका निदान खण्ड स्तर पर संभव है वे आवेदक जिला मुख्यालय पर ना पहुंचे के प्रबंध सुनिश्चित कराएं ताकि आवेदको को अनावश्यक रूप से आर्थिक व समय दोनो की बचत हो सकें। उन्होंने कहा कि राजस्व अमला अपने सम्पर्क सूत्रो से सतत मानिटरिंग करें ताकि कहीं किसी भी प्रकार की गड़बडी ना हो पाए। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, समस्त एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें।

विमुक्त कराई गई भूमि पर कब्जा ना हो

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले में अतिक्रमण को हटाने के कार्यो को संपादित कर रहे राजस्व अधिकारियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी शासकीय भूमि अतिक्रमण से विमुक्त कराई जा रही है उस भूमि पर किसी और का दुबारा कब्जा ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। चरनोई भूमि जो अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है इस भूमि का अधिक से अधिक सदुपयोग हो और सभी को निगाह में यह भूमि हो की जानकारियां चहुंओर प्रदर्शित हो। उन्होंने कहा कि चरनोई भूमि जो अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है वह ग्राम पंचायत के सचिव को सुर्पुद की जाए। और इस भूमि पर गौ-शालाओं के पशुधन को आहार प्राप्ति के लिए उपयोग किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व कार्यो की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएमो को निर्देशित किया है कि पटवारी गांव में पहुंचे कि व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है किन्तु विभिन्न सूत्रो से जानकारियां प्राप्त हो रही है कि अधिकांश पटवारी गांव में जाते नहीं है और अपने घरो से कार्यालय का संचालन कर रहे है। कलेक्टर श्री सिंह ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि पटवारी किस दिन अपने कार्यक्षेत्र के किस-किस गांव में पहुंचेगे कि जानकारियां सुगमता से स्थानीय नागरिकों को हो के लिए प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

प्रदेश में तीसरे स्थान पर, प्रमाण पत्र प्रदाय कर पुरस्कृत

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि प्रदेशयापी राजस्व महाभियान के अंतर्गत विदिशा जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा राजस्व महा अभियान के क्रियान्वयन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगप्रदकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक में मौजूद सभी राजस्व अधिकारियों को प्रशंसा पत्र प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि राजस्व अमला राजस्व कार्यो के सम्पादनो में यही गति बनाए रखेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि दीपावली के बाद राजस्व महाभियान नए स्वरूप में क्रियान्वित किया जाएगा इसके लिए सभी राजस्व अधिकारी अभी से तैयारियां पूर्ण कर लें।

मेट्रो एंकर शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में सीएलसी के माध्यम से प्रवेश हेतु अंतिम अवसर

तकनीकी डिप्लोमा हेतु 10 वीं तथा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संचालित 5 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग प्रक्रिया का अंतिम चरण है । इस संस्था में संचालित त्रि वर्षीय तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग जिसमें प्रवेश योग्यता कक्षा-10 वी होना अनिवार्य है, इसी प्रकार 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेश अहर्ता कक्षा-12 वी (किसी भी विषय में) होना अनिवार्य है ।

संस्था प्राचार्य डॉ. पी.सी. नरवरे ने बताया है कि विद्यार्थी शेष रिक्त निम्न सीटों पर संस्था स्तर काउंसलिंग के माध्यम से दिनांक 17/10/2024 से 23/10/2024 रात्रि 11ः30 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर दिनांक 22/10/2024 को सुबह 10:30 बजे विद्यार्थी स्वयं संस्था परिसर में उपस्थित होकर निम्न रिक्त सीटों में रजिस्ट्रेशन उपरांत प्रवेश ले सकते है।

उपरोक्त प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर विद्यार्थी स्वयं अपने दस्तावेजों की मूल प्रति सहित दिनांक 22/10/2024 एवं इसके पश्चात सीट रिक्त रहने पर दिनांक 23/10/2024 को भी संस्था में सुबह 10ः30 बजे उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु निम्न अधिकारी आर आर चंद्राकर व विभागाध्यक्ष -7999982337, देवेश तिवारी विभागाध्यक्ष-7999832684, एवं अजय चंडाले व्याख्याता 8871138780 से संपर्क कर सकते हैं ।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नाम एवं प्रवेश हेतु रिक्त सीटे

Civil engineering
प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 28
Mechanical Engineering
प्रवेश हेतु रिक्त सीटे-31
Electrical Engineering
प्रवेश हेतु रिक्त सीटे-16
Computer science & Engineering
प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 03
Modern Office Management
प्रवेश हेतु रिक्त सीटे-39
कुल रिक्त रह गई CLC round-हेतु सीटें -117

Life&Style

तेरी मेरी कहानी...

वैवाहिक जीवन अनुभूतियों और अनुराग का एक साझा सफर है। मनोभावों के मेल की प्रेमिल यात्रा है। स्नेहपूरित भाव-चाव संग एक दूजे से जुड़े रहने के लिए बसाई प्यारी सी दुनिया है। अपनेपन के इस संसार में पति-पत्नी का रिश्ता, समझ-सहयोग और नेह की बुनियाद पर ही टिका होता है। इस नींव को थामे रखने के लिए पति-पत्नी के बीच मजबूत बॉन्डिंग जरूरी है। शादी के बंधन की डोर सुलझी रहे, तो जीवन में सुकून के साथ संबल के रंग भर जाते हैं। सुख के दिनों में एक-दूजे की मान-मनुहार और मुश्किल के दौर में मनोबल बढ़ाते हुए हाथ थामे रहने की आस्था और विश्वास ही इस संबंध को पोसता है।

पत्य जीवन को संतुलित और सहजता से चलाने के लिए पति-पत्नी दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। करवा चौथ का पर्व दापत्य जीवन की कुशल कामना और आपसी जुड़ाव का एक सुन्दर पर्व है। उपवास से जुड़ी आस्था के उत्सवीय भाव बताते हैं कि महिलाओं के लिए परिवार की खुशियां सबसे अहम हैं। अपने साथी के आयुष्य की कामना से बढ़कर कुछ नहीं। मौजूदा दौर में करवा चौथ के पर्व से जुड़ा प्यारा बदलाव यह है कि पत्नी ही नहीं पति भी समझ और सरोकार की सोच के साथ विवाह बंधन को निभाने की सोच रखने लगे हैं। पुरुष अपनी जीवनसांगिनी के स्नेह और आत्मसमान के मायने समझने लगे हैं। यह सकारात्मक खुलापन इस पारपरिक बंधन को और मजबूती दे रहा है।

साझेपन की सोच

अपने साथी की कुशलता चाहने का भाव उसकी खुशियों से जुड़ा होता है। दोनों को ही समझना होगा कि वैवाहिक रिश्ते में सहज जीवन से जुड़ी स्वतंत्रता ना हो तो यह रिश्ता बोझ बनने लगता है। अच्छी बॉन्डिंग के लिए पति-पत्नी को साझे जीवन के व्यावहारिक पक्ष को भी समझने की जरूरत होती है। दापत्य जीवन की सफलता इसी पर निर्भर है कि वैवाहिक बंधन में बंधने वाले दो लोग साझे रिश्ते को कैसे चलाते हैं? कैसे जीते हैं? एक दूसरे को समझने का कितना प्रयास करते हैं? करवा चौथ का पर्व साथी की कुशलता को संबोधित रीति-रिवाज इन्हीं बातों से जुड़े हैं। इसका संदेश ही आत्मीय प्रेम और प्रतिबद्धता है। जिसमें टोकाटाकी नहीं, बल्कि मन का जुड़ाव सबसे ऊपर है। आज के दौर में पति-पत्नी दोनों इस बात को समझें कि अपनी जिमेदारियों को जीने के अलावा भी उनका स्वतंत्र जीवन है।

इमर्जिंग एशिया कप...तिलक वर्मा ने 44 रन बनाए, अंशुल ने 3 विकेट लिए

भारत ने पाकिस्तान को हराया

नईदिल्ली. एजेंसी

इंडिया-ए ने इमर्जिंग एशिया कप 2024 में अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान-ए को 7 रन से हराया। ओमान के अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। कप्तान तिलक वर्मा ने 44 रन बनाए। अंशुल कंबोज ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। अंशुल को प्लेयर ऑफ डी मैच चुना गया। सुफियान ने अभिषेक को सेंड ऑफ दिया मैच के दौरान अभिषेक शर्मा और पाकिस्तानी बॉलर सुफियान मुकीम के बीच बहस हो गई। पाकिस्तान के लिए 7वां ओवर सुफियान करने आए। उन्होंने ओवर की पहली ही बॉल पर अभिषेक का विकेट ले लिया। अभिषेक को आउट करने के बाद सुफियान ने मुंह पर उंगली रख कर उन्हें सेंड ऑफ दिया। इस पर अभिषेक नाराज हो गए और उन्हें घूरने लगे और दोनों के बीच बहस हो गई। इस बीच अंपायर ने बीच-बचाव किया।

पहले बैटिंग का फैसला किया था: तिलक ने 44 रन की पारी खेली इंडिया-ए के लिए तिलक वर्मा 35 गेंदों पर 44 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 36 और स्टार ओपनर अभिषेक वर्मा ने 35 रन बनाए। नेहाल वधेरा ने 25 और रमनदीप सिंह ने 17 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान-ए के लिए सुफियान मुकीम ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। इंडिया-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। इंडिया-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। अंशुल कंबोज ने 3 विकेट लिए टारगेट का पीछा कर रही पाकिस्तान-ए के लिए अराफात मिन्हास ने सबसे ज्यादा 29 गेंदों पर 41 रनों की पारी खेली। वहीं यासिर खान ने 33 और कासिम अकरम ने 27 रनों का योगदान दिया। भारत-ए के लिए अंशुल कंबोज ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। रमनदीप सिंह ने डाइव लगाकर एक हाथ से लिया कैच बाएं हाथ के स्पिनर निशांत सिंधु पाकिस्तान की पारी के दैरान 9वां ओवर करने आए। उनके ओवर की पहली ही गेंद को यासिर खान ने पुल किया। गेंद डीप मिड-विकेट बाउंड्री की ओर 4 रन के लिए जा रही थी लेकिन तभी रनिंग करते रमनदीप वहां पहुंच गए और डाइव लगाकर अपने दाएं हाथ से कैच लपक लिया।

17 वर्षीय आयुष ने अपने दूसरे ही रणजी मैच में ठोक दिया शतक

यश और महिपाल के अर्धशतक से राजस्थान का मजबूत स्कोर

मुंबई. एजेंसी

मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस ने यहां खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के ग्रुप-ए मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए महाराष्ट्र की टीम को 126 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद मुंबई ने 17 वर्षीय युवा बल्लेबाज आयुष महात्रे के बेहतरीन शतक से बढ़त हासिल कर ली है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई की टीम ने तीन विकेट पर 220 रन बनाकर 94 रन की अहम बढ़त हासिल कर ली थी। स्टंप तक आयुष 127 और श्रेयस अय्यर 45 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

रोहित शर्मा के प्रशंसक है आयुष: अपना तीसरा प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे आयुष मुंबई के रहने वाले हैं और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा, मैं रोहित भाई का प्रशंसक हूं और उन्हें देखकर ही मैंने क्रिकेटर बनने का फैसला किया। मैंने 10 साल की उम्र से क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू किया।

45 किमी दूर ट्रेनिंग के लिए जाते थे: आयुष ने कहा, मैं विरार में रहता था और सुबह पांच बजे की ट्रेन से करीब 46 किमी दूर मुंबई अभ्यास करने के लिए जाता था। मुझे अपने दादाजी का काफी सहयोग मिला, जो मेरे साथ जाते थे।

डेनमार्क ओपन बैडमिंटन: ग्रेगोरिया ने क्वार्टरफाइनल में दी पीवी सिंधू को शिकस्त

ओडेंसे. एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का खराब दौर यहां खेले जा रहे डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भी जारी रहा। भारत की स्टार शटलर महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग के खिलाफ तीन गेम तक खेले गए कड़े मैच में 13-21, 21-16, 9-21 से हार गईं। पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें सिंधू खिताब नहीं जीत सकी हैं।

ईशान को इंडिया-ए टीम में जगह

मुंबई. एजेंसी

विकेटकीपर ईशान किशन को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेले जाने वाले इंडिया-ए टीम में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद इंडिया-ए भारतीय टीम संग अभ्यास मैच खेलेगी। टीम में रुतुराज गायकवाड, अभिमन्यु ईश्वरन, देवदत्त पेडिकल, साई सुदर्शन, बाबा इंद्रजीत, अभिषेक पोरेल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, रिकी भुई, मानव सुथार, नीतीश कुमार रेड्डी, नवदीप सैनी शामिल हैं।

अर्जुन ने जीता डब्ल्यूआर चेस मास्टर्स कप

शतरंज: भारत के 21 वर्षीय युवा खिलाड़ी ने निर्णायक बाजी में फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव को दी शिकस्त

लंदन. एजेंसी

भारत के 21 वर्षीय युवा शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले गए डब्ल्यूआर चेस मास्टर्स कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में कड़े संघर्ष के बाद आर्मगेडन मैच में फ्रांस के ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वाचियर लाग्रेव को मात दी। इस जीत से अर्जुन को 18 लाख रुपए की इनामी राशि और 27.84 फिडे सर्किट अंक भी हासिल हुए। इस टूर्नामेंट में अर्जुन ने हमवतन खिलाड़ी विदित गुजराती और सेमीफाइनल में आर प्रग्गनानंदा को शिकस्त दी थी।

2800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार करने से चूके: अर्जुन हालांकि 2800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार करने से चूक गए। वह अभी 2796.1 अंकों के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं। दरअसल, लाग्रेव ने अर्जुन को लगातार दो क्लासिकल गेमों में ड्रॉ पर रोक दिया, जिससे भारतीय खिलाड़ी को नुकसान हुआ। हालांकि अर्जुन ने सभी तीन आर्मगेडन मैच जीते। अर्जुन ने कहा, मेरी रणनीति क्लासिकल गेम में ही उन्हें मात देने पर थी, लेकिन मैं इससे चूक गया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

इंटरव्यू: एक्टर नहीं कुछ और ही बनना चाहते थे आदित्य रॉय कपूर

आदित्य रॉय कपूर अभिनेता से पहले एक लोकप्रिय रेडियो जॉकी भी रह चुके हैं। हाल में ही करीना कपूर के शो 'व्हाट वीमेन वांट' पर बातचीत के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वो फिल्मों में नहीं आना चाहते थे। आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं। साल 2009 में 'लंदन ड्रीम्स' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले आदित्य, शुरु में अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। आदित्य से पहले एक लोकप्रिय रेडियो जॉकी भी रह चुके हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वो फिल्मों में नहीं आना चाहते थे। साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी 2' में अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले आदित्य रॉय कपूर की पहली पसंद फिल्मी दुनिया नहीं, बल्कि क्रिकेट का मैदान था। अभिनेता ने करीना खान से बातचीत के दौरान बताया कि वो एक क्रिकेटर बनना चाहते थे।

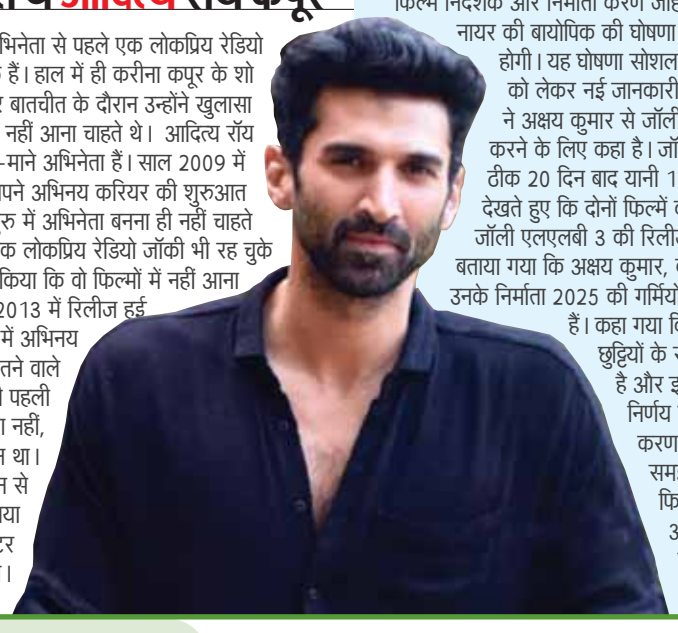

करण ने अक्षय से किया 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज डेट बदलने का आग्रह!

फिल्म निर्देशक और निर्माता करण जौहर ने हाल ही में अक्षय कुमार के साथ सी शंकरन नायर की बायोपिक की घोषणा की, जो मार्च 2025 में होली के मौके पर रिलीज होगी। यह घोषणा सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वहीं, अब इस खबर को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर ने अक्षय कुमार से जॉली एलएलबी 3 की रिलीज की तारीख पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है। जॉली एलएलबी 3, सी शंकरन नायर बायोपिक के ठीक 20 दिन बाद यानी 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है। यह देखते हुए कि दोनों फिल्में कोर्ट रूम स्पेस में हैं, ऐसे में करण ने अक्षय से जॉली एलएलबी 3 की रिलीज को कुछ हफ्ते आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है। बताया गया कि अक्षय कुमार, करण के अनुरोध पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, उनके निर्माता 2025 की गर्मियों में छुट्टियों की अवधि को छोड़ने में संकोच कर रहे हैं। कहा गया कि जॉली एलएलबी 3 को पहले दो हफ्तों में कई छुट्टियों के साथ एक आकर्षक तारीख मिली है और इसलिए यह एक कठिन निर्णय होने जा रहा है। वह करण द्वारा उठाए गए मुद्दों को समझते हैं, क्योंकि दोनों फिल्में एक ही शैली की हैं और इसलिए उन्होंने जॉली 3 के निर्माताओं के साथ चर्चा शुरू कर दी है।

शाहरुख ने काजोल से एक्टिंग सीखने को कहा था

एक्ट्रेस बोलीं- मैंने तीसरी फिल्म के बाद इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था...

काजोल ने खुलासा किया है कि वो तीन फिल्में करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं। लेकिन शाहरुख खान के एक सुझाव ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था। शाहरुख ने उनसे कहा था कि उन्हें एक्टिंग सीखना चाहिए, ताकि वे इस प्रोसेस का आनंद ले सकें। काजोल ने कहा कि वे फिल्में करके थक गई थीं। वे बस थोड़े-बहुत सीन्स वाली फिल्में करना चाहती थीं।

शाहरुख के सुझाव से इंप्रेस हो गई थीं काजोल

एक इंटरव्यू में काजोल ने फिल्म उधार की जिंदगी में अपनी एक्टिंग को याद किया। यह उनके करियर की तीसरी फिल्म थी, जिसे इन्होंने 18 साल की उम्र में किया था। इस वक्त शाहरुख ने उन्हें एक्टिंग की तकनीक सीखने की सलाह दी थी। एक्टर के सुझाव से काजोल बहुत सरप्राइज हो गई थी। काजोल ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने फिल्म पूरी कर ली थी। उससे पहले शाहरुख ने कहा- तुम्हें पता है कि तुम्हें बस एक्टिंग करना सीखना है। इस पर मैंने कहा- यह क्या है? वह किस बारे में बात कर रहा है? बेशक, मैं शानदार काम कर रही हूं।'

काजोल बोलीं- फिल्में करके थक गई थीं

हालांकि काजोल को जल्द ही एहसास हो गया था कि फिल्म एक्टिंग उन्हें पसंद आ रही है। लेकिन कुछ ही समय में फिल्में करने से उनका मन भर गया। इस बारे में उन्होंने कहा, 'मैंने फिल्म उधार की जिंदगी की थी। जब मैं फिल्म खत्म कर रही थी, तब मैंने मां से कहा था- तुम्हें पता है मां, मेरा काम हो गया है। साढ़े 18 साल की उम्र में मेरा काम खत्म हो गया। मैं अब और नहीं कर सकती। मैं अब और नहीं रो सकती। मैं अब ग्लिसरीन नहीं डाल सकती। मैं नहीं कर सकती। मैं अब ये फिल्में नहीं करना चाहती। मैं बस चार सीन और 10 गाने करना चाहती हूं। मैंने ऐसी 4 फिल्में साइन की थी। इसके बाद ही मैंने एक्टिंग की तकनीक सीखी। उन्होंने आगे कहा, 'मैं उधार की जिंदगी फिल्म कर रही थी. मुझे याद है कि उस समय मैंने अपनी मां से कहा था कि मेरा अब हो गया. मैं पूरी तरह थक चुकी हूं. साढ़े 18 साल की उम्र में ही मैंने कह दिया था कि अब मुझसे नहीं होगा. अब मैं और नहीं हिल सकती, रो नहीं सकती और ग्लिसरीन भी नहीं लगा सकती. अब मैं ऐसी फिल्में नहीं करना चाहती हूं. मैं 4 सीन और 10 गानों वाली फिल्में करना चाहती थी. मैंने ऐसी चार फिल्में साइन कीं जैसे 'गुंडा राज' और हलचल. इसके बाद मैंने एक्टिंग की बारीकियां सीखी.' गौरतलब है कि काजोल इन दिनों अपनी थ्रिलर फिल्म 'दो पत्ती' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं. इसका डायरेक्शन शशांक चतुर्वेदी ने किया है और कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है. इस फिल्म में कृति सेनन डबल रोल में नजर आएंगी जबकि काजोल एक पुलिस ऑफसर के किरदार में दिखेंगी. 'दो पत्ती' फिल्म 25 अक्टूबर, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी. इससे पहले काजोल और कृति सैनन ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'दिलवाले' में साथ काम किया था.

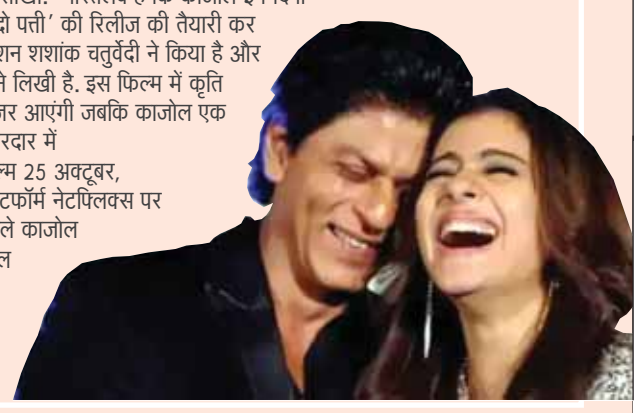

17 दिसंबर 2021 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा द राइज' का दूसरा भाग पुष्पा 2 द रूल की रिलीज का हर एक अल्लू अर्जुन का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पुष्पा 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में पिछली फिल्म की तरह ही एक सिजलिंग और हॉट आइटम सॉन्ग होने की बात काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई है, लेकिन क्या आपको यह पता है कि इस बार पुष्पा 2 द रूल में अल्लू के साथ कौन सी अभिनेत्री अपना जलवा बिखेरेगी। आइए बताते हैं। 'पुष्पा 2- द रूल' इस साल की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। अल्लू अर्जुन अभिनीत इस फिल्म के बारे में कई जानकारियां सामने आती रहती हैं। अब सोशल मीडिया पर यह जानकारी सामने आई है कि फिल्म के निर्माता-निर्देशक ने अल्लू अर्जुन के साथ एक खास गाने में धमाल मचाने के लिए श्रद्धा कपूर को फाइनल कर लिया है।

'पुष्पा 2 द रूल' में होगा धमाल, अल्लू अर्जुन के साथ सिजलिंग-हॉट डांस गाने में नजर आएंगी श्रद्धा

पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म साल 2021 में आई पुष्पा द राइज का दूसरा भाग है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी। 'पुष्पा 1' में सामंथा का बेहद ही सिजलिंग सॉन्ग ऊ अंटावा था, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया था, लेकिन क्या आपको यह पता है कि पुष्पा 2 द रूल में श्रद्धा कपूर अल्लू के साथ जबर्दस्त ठुमके लगाती नजर आएंगी।

श्रद्धा से पहले कई अभिनेत्रियों के नामों पर विचार किया जा चुका है, लेकिन आखिर में स्त्री 2 फेम अभिनेत्री श्रद्धा के नाम को फाइल कर लिया गया है। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। साल 2021 में आई अल्लू और रश्मिका की फिल्म पुष्पा द राइज में ऊ अंटावा सॉन्ग ने सभी का खूब मनोरंजन किया था। इस गाने में साउथ अभिनेत्री सामंथा के साथ अल्लू के डांस मूव्स ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस गाना उस समय नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा था। अब मेकर्स पुष्पा 2 में भी एक जबर्दस्त आइटम सॉन्ग लेकर आएंगे। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2, 6 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजभवन के सुरक्षा अधिकारी के वाहन को कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर स्थित नानके पेट्रोल पंप पर राजभवन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी के वाहन को वरना कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कार सामने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है, जबकि कार में मौजूद मुख्य सुरक्षा अधिकारी को बाएं पैर, गर्दन और सीने में चोट लगी है। हादसा शुक्रवार सुबह राजभवन जाते समय हुआ। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार इंद्रजीत सिंह चाव?ा (49) तुलसी नगर में रहते हैं और सहायक सेनानी, उपपुलिस अधीक्षक मुख्य सुरक्षा अधिकारी राजभवन में पदस्थ हैं। शुक्रवार सुबह करीब वह शासकीय वाहन से राजभवन ड्यूटी जा रहे थे।

वे अंकुर स्कूल के सामने पहुंचे, तभी नानके पैट्रोल पंप के तरफ से आ रही वरना कार के चालक ने तेजी व लापरवाही पूर्वक अपनी कार चलाते हुए उनके शासकीय वाहन में सामने बांए तरफ से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शासकीय वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह से छतिग्रस्त हुआ है। हादसे में उन्हें बाएं पैर, गर्दन व सीने पर मुंदी चोट पहुंची है।

सीएम का काफिला निकलने पर रोका तो, सिपाही से मारपीट

पॉलीटेक्निक चौराहा पर शनिवार शाम स्कूटर सवार युवक ने किया जमकर हंगामा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित पॉलिटेक्निक चौराहा पर एक स्कूटर सवार युवक ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, सीएम का काफिला निकलने से पूर्व ट्रैफिक के जवान ने उसे रोक लिया था। सुरक्षा के लिहाजा से सभी को रोका गया था, लेकिन युवक भड़क गया और रोकने का विरोध करते हुए सिपाही से झूमाझटकी करते हुए उससे मारपीट कर दी।

ट्रैफिक अमले ने स्कूटर सवार युवक को पकड़कर रखा और काफिला निकलने के बाद उसे थाने लेकर पहुंचे। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरक्षक सुमित प्रताप ट्रैफिक में पदस्थ हैं। उनकी ड्यूटी पॉलिटेक्निक चौराहा पर थी। चौराहा से सीएम का काफिला निकलना था। सुमित स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचा। ट्रैफिक अमला टै:फिक को रोककर काफिला को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच स्कूटर सवार रामांश देव पटेल वहां पहुंचा और उसने रोकने के बाद भी स्कूटर से जाने की कोशिश की। सुमित ने उसे स्कूटर साइड में खड़ी करने और काफिला गुजर जाने की बात कही तो भड़क गया। आरक्षक सुमित से गालीगलौज करने लगा। सुमित ने उसे गाली देने से मना किया तो भड़क और मारपीट करने लगा। वहां मौजूद स्टाफ ने आरोपी को पकड़कर एक जगह बिठा दिया और सीएम का काफिला निकलने का इंतजार किया।

सड़क किनारे सिर टिकाकर बैठी हुई अवस्था में मिली लाश

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, सिर पर मिली गंभीर चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित गुराड़ी घाट पर शनिवार सुबह एक महिला की लाश सड़क किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की लाश सड़क के बगल में सिर के बल बैठे हुई अवस्था में थी। सिर में चोट होने के कारण काफी खून भी फैला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। 90 डिग्री का टर्निंग पाइंट पर सड़क किनारे लाश होने से पुलिस का अनुमान है कि उसे किसी बड़े वाहन ने टक्कर मारी और सिर में चोट लगने से उसे गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने हत्या की बात से साफ इंकार कर दिया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह पुलिस ने गुराड़ी घाट पर उमा भारती के फार्म हाउस से कुछ दूरी पर मुख्य सड़क से एक महिला की लाश बरामद की। लाश टर्निंग पाइंट पर सड़क किनारे बैठी हुई अवस्था में पड़ी थी। मामला संदिग्ध होने के कारण थाना प्रभारी मनीष राज भदौरिया खुद घटनास्थल पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि महिला के शरीर पर चोट के निशान नहीं है। साथ ही सड़क किनारे मिट्टी डली हुई है वहां भी संघर्ष करने के निशान नहीं मिले है। प्रथम दृष्टया मामला एक्सीडेंट से जुड़ा नजर आ रहा है। महिला के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। उसके हाथ पर दिल गुदा हुआ है और सावित्री-विनोद लिखा हुआ है। महिला की उम्र करीब चालीस साल के आसपास होगी। आसपास लोगों से पूछताछ की गई तो पता चला कि उक्त महिला शराब दुकान के पास खाली बोतल बीनती थी और नशे की भी आदी थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित अपना घर आश्रम में दो दिन पहले शिफ्ट हुए युवक की जय प्रकाश अस्पताल में मौत हो गई। उन्हें पेट संबंधी बीमारी थी और आश्रम से एम्स ले जाया गया था, लेकिन वहां बेड खाली नहीं होने के कारण जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती करा दिया। जय प्रकाश अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार रात करीब 8 बजे के आसपास उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। इंदौर से उनके रिश्तेदार आज रविवार को भोपाल पहुंचेंगे। इसके बाद पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार 44 साल के दिनेश बघेरिया, मिनाल रेसीडेंसी में रहते थे। वे अकेले रहते थे और शराब पीने के कारण उन्हें लिवर की बीमारी हो गई थी। उनकी देखरेख के लिए कोई नहीं था। लिहाजा पड़ोसियों ने दो दिन पहले ही उन्हें अपना आश्रम में शिफ्ट करा दिया। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर आश्रम के लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां शनिवार रात करीब आठ बजे उनकी मौत हो गई।

घर पर खेत का कहकर निकला था

सब्जी फार्म के कुएं में गिरने से किसान की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

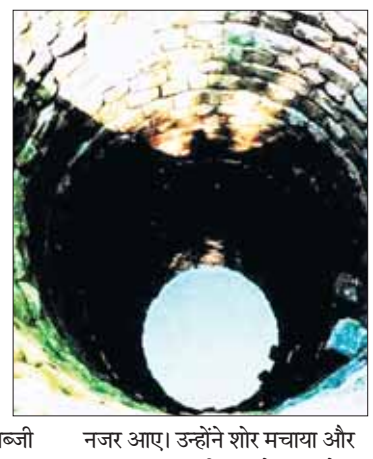

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित सब्जी फार्म में शनिवार दोपहर कुएं में गिरने से किसान की मौत हो गई। अनुमान है कि हादसा बिना मुंडेर के कुएं के पास संतुलन बिगड़ने के कारण हुआ है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मुन्नालाल मालवीय सब्जी फार्म शाहपुरा में रहते थे। उनका खेत में ही घर है। खेत में वह सब्जी के अलावा फूल लगाते हैं।

शनिवार सुबह वे उठे और खेत से फूल तोड़ने के बाद उसे बेचकर आए थे। करीब साढे दस बजे वह घर पहुंचे और पत्नी से खेत जाने का कहकर निकल गए। दोपहर करीब एक बजे पत्नी खाना लेकर खेत पहुंची तो मुन्नालाल उन्हें नजर नहीं आए। अनहोनी की आशंका होने पर पत्नी ने कुएं में देखा तो मुन्नालाल नजर आए। उन्होंने शोर मचाया और आसपास मजदूरी कर रहे कुछ लोग पहुंचे और मुन्नालाल को कुएं से बाहर निकाल गया। पत्नी मुन्नालाल को लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंची थी, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मुन्नालाल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की पूछताछ में मुन्नालाल की पत्नी बताया कि वे शराब पीने के आदी थे और पूरे समय शराब के नशे में रहते थे।

हॉस्टल के कमरे में मिला इंजीनियरिंग छात्र का शव

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित जेपी बॉयज हॉस्टल के कमरे में शुक्रवार शाम बीटेक छात्र का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्र का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। शनिवार को बिहार से आए परिजन को शव पीएम के बाद सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार धर्मराज पिता प्रेमराज आजाद (22) मूलतः बिहार का था। वह निजी कॉलेज से बीटेक फोर्थ ईयर की पढ़ाई कर रहा था। हॉस्टल के केयर टेकर आकाश ने पुलिस को बताया कि धर्मराज दो दिन से खाना खाने के लिए मेस में नहीं आ रहा था। प्रेमराज का हॉस्टल में सबसे आखिरी वाला कमरा था। शुक्रवार शाम आकाश उसे देखने के लिए कमरे में पहुंचे तो उसकी लाश बेड पर पड़ी नजर आई। आकाश की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो धर्मराज की लाश बिस्तर पर पड़ी थी। पुलिस का अनुमान है कि धर्मराज काफी मोटा था और उसे हार्ट अटैक आया है।

ऑटो चालक का अपहरण कर बदमाशों ने डाली 2 लाख की अड़ी

भोपाल। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में बदमाशों ने एक ऑटो चालक का अपहरण कर लिया और मारपीट कर उससे दो लाख रुपये की अड़ीबाजी की। वारदात के दो दिन बाद पीड़ित ऑटो चालक पुलिस थाने पहुंचा और आरोपितों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। आरोपितों की संख्या तीन बताई जा रही है। ऐशबाग थाना पुलिस के मुताबिक इलाके के हिनौतिया में रहने वाले 45 वर्षीय शिव शंकर दुबे स्वयं का ऑटो चलाते हैं। उन्होंने शुक्रवार को थाने आकर शिकायत दर्ज कराई। उसमें बताया कि वह 16 अक्टूबर, बुधवार की रात लगभग 10:45 बजे ऑटो लेकर अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान सोनिया गांधी कॉलोनी के पास उन्हें आसिफ उर्फ चुई, सन्नो और शुभम ने रास्ते में रोक लिया। वे लोग अड़ीबाजी कर उससे रुपयों की मांग करने लगे। मना करने पर वे लोग उसे जबरन अपने साथ बाइक पर बिठाकर धोबी घाट पर ले गए।

पत्नी के जाने से दुखी युवक ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित सर्वधर्म बी-सेक्टर इलाके में शुक्रवार शाम एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शादी के एक माह बाद ही पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। तभी से वह दुखी रहने लगा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सर्वधर्म बी-सेक्टर, नदी के पास रहने वाले संदीप रैकवार पिता स्व. दयालचंद (25) मिस्त्री का काम करता था। परिवार में मां और छोटा भाई है। करीब दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के एक माह बाद ही आपसी अनबन के चलते पत्नी घर छोड़कर चली गई थी। तभी से संदीप दुखी रहने लगा था। उसे शराब पीने की लत लग गई थी। शुक्रवार शाम करीब सात बजे वह काम करके घर लौटा था। उस समय वह नशे की हालत में था। घर लौटकर वह सीधे अपने कमरे में गया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एएसआई राजेन्द्र सिंह केन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे।

घर के सामने गाली गलौज करने से मना करने पर ब्लेड से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी आसामाजिक तत्वों का गढ़ बनते रहा है। यहां कुछ दिन पूर्व ही बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने मल्टी में रहने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का चिट्ठा बनाकर कार्रवाई करनी शुरू कर दी थी। बावजूद इसके कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपराध करने से बाज नहीं आ रहे हैं। यहां रहने वाले बदमाश आकाश चोटी ने एक युवक से गाली गलौज करते हुए उसके पेट पर ब्लेड से हमला कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार तारा बाई (60) मल्टी ई-2, जी 6 वाजपेयी नगर शाहजहांनाबाद में रहती हैं और गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 17 अक्टूबर की रात करीब साढे 10 बजे वह मझला बेटा राजू सावले के साथ घर पर थी।

मां बेटा खाना खा रहे थे। तभी मल्टी का रहने वाला आकाश चोटी घर के बाहर आया और पुरानी बात को गालियां देने लगा। राजू घर के बाहर पहुंचा और आकाश चोटी से गालीगलौज न करने की बात कही। इस पर आरोपी आकाश चोटी ने ब्लैड निकाल कर राजू के पेट में मार दी। ब्लैड से हमला करने के बाद वह धमकी देते हुए गया है कि यदि शिकायत की तो जान से खत्म कर देगा।

मेट्रो एंकर छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने किया लूट का मामला दर्ज

एक्टिवा सवार लुटेरों ने छात्रा का मोबाइल झपटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रचना नगर में नेमा गर्ल्स हॉस्टल के सामने शनिवार रात सहेली के साथ टहल रही छात्रा के हाथ एक्टिवा सवार लुटेरों ने मोबाइल झपट लिया। छात्रा ने दौड़कर उनका पीछा भी किया, लेकिन एक्टिवा सवार लुटेरे तेजी से एक्टिवा चलाते हुए भाग निकले। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार छमा नापित पिता रामसूचित नापित (20) गांव सोहागी, तहसील त्यौंथर, जिला रीवा में रहती हैं। वह नेमा गर्ल्स हॉस्टल में रह रही है और एमपी नगर स्थित एक कोचिंग में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात करीब दस बजे अपनी सहेली खुशी हलवाई के साथ हॉस्टल के सामने टहल रही थी और मोबाइल पर बातचीत कर रही थी। इसी बीच पीछे से आए एक्टिवा सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

झाड़ियों से बरामद हुई नवजात का शव

बैरसिया पुलिस ने शनिवार दोपहर ग्राम इमलिया स्वरूप और देवलखेड़ा के बीच सड़क किनारे झाड़ियों से एक नवजात शिशु का शव बरामद किया।

शव प्रीमेच्योर बेबी का था, जिसका समुचित विकास नहीं हुआ था। अनुमान है कि वह मृत हालत में ही पैदा हुआ होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022